सांध्य दैनिक 4PM

जिद...सच की

www.4pm.co.in www.facebook.com/4pmnewsnetwork @Editor_SanjayS YouTube @4pm NEWS NETWORK

● वर्ष: 11 ● अंक: 129 पृष्ठ: 8 ● लखनऊ, शनिवार 14 जून, 2025

मूल्य ₹ 3/-

अगर आप चाहते हैं कि कोई चीज अच्छे से हो तो उसे खुद कीजिये।

-नेपोलियन बोनापार्ट

इतिहास रचने से 6 रन दूर... 7 | गुजरात उपचुनाव तय करेगा विस... 3 | बीजेपी के भीतर चल रही है... 2

ईरान का पलटवार

इजरायल में तबाही का मंजर

खामनेई ने जो कहा वह करके दिखा दिया

» मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक नेतन्याहू ने इजरायल छोड़ा

» ग्लोबल तनाव के चलते सोने के भाव में रिकार्ड उछाल

» क्रूड ऑयल की कीमतों में भी भारी इजाफा

» भारत के पास पर्याप्त मात्रा में तेल का भंडार

□□□ 4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। वहीं हुआ जिसका डर था, इजारयल अटैक के फौरन बाद ईरान की ओर से हुए पलटवार से इजरायल में भारी जानमाल की खबरें आ रही है। ईरान ने जवाबी हमले को आपरेशन ट्रू प्रामिस नाम दिया है और आगे भी हमले जारी रखने की कसम खाई हैं। ईरान ने इजराइल पर 150 से 180 जायंट मिसाइलों और 100+ ड्रोन की संयुक्त लहरों में पैंतरेबाजी कर बेहद आक्रामक हमला किया।

जवाब में इजरायल ने भी ईरान की तरफ मिसाइल फेंकी। ईरान के पलटवार के बाद कच्चे तेल और सोने की कीमतों में बेतहाशा वृद्धि दर्ज की गयी है। भारत में सोना एक लाख रूपये प्रति दस ग्राम की कीमतों को पार कर गया है। केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने आश्वासन दिया कि देश में आने वाले महीनों के लिए पेट्रोल, डीजल, जेट ईंधन और एलपीजी जैसे पेट्रोलियम उत्पादों की पर्याप्त आपूर्ति है।

सुरक्षित ठिकाने पर नेतन्याहू

समाचार एजेंसियों और मीडिया रिपोर्ट्स में बताया गया है कि प्रधानमंत्री बैंजामिन नेतन्याहू ने मिसाइल हमलों की तीव्रता को देखते हुए सुरक्षित स्थानों में शिफ्टिंग कर ली है। उन्होंने जनता को निर्देश दिए हैं कि वे अपने स्थानीय बेसमेंट शेल्टर में ठहरें और सतर्क रहें। नेतन्याहू ने कहा है कि हमें इजराइल की रक्षा करनी होगी और हम इस अभियान को तब तक जारी रखेंगे जब तक ईरानी खतरा कम नहीं होता।

कच्चे तेल की कीमतों में जबर्दस्त उछाल

इजरायल–ईरान लड़ाई ने भू-राजनीतिक तनाव को बढ़ा दिया जिससे कच्चे तेल की कीमतों में 9 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि देखी गई बेंचमार्क ब्रेंट क्रूड की कीमत 6 डॉलर से अधिक बढ़कर 78 डॉलर प्रति बैरल के पांच महीने के उच्चतम स्तर को पार कर गई। एमके ग्लोबल की एक रिपोर्ट के अनुसार, ईरान प्रतिदिन लगभग 3.3 मिलियन बैरल (एमबीपीडी) कच्चे तेल का उत्पादन करता है और लगभग 1.5 एमबीपीडी का निर्यात करता है जिसमें चीन 80 प्रतिशत भागीदारी के साथ मुख्य आयातक है।

बढ़ते टकराव के बीच एनएससी की आपात बैठक

इजरायल–ईरान टकराव के बीच एनएससी की एक आपात बैठक आयोजित कि गयी। बैठक में आईएईए के महानिदेशक राफेल मारियानो ग्रॉसी ने कहा है कि न्यूक्लियर फैसिलिटी की सुरक्षा को खतरे में डालने वाली कोई भी सैन्य कार्रवाई ईरान क्षेत्र और उससे बाहर के लोगों के लिए गंभीर परिणाम पैदा कर सकती है। आईएईए की जनरल काउंसिल ने कहा है कि न्यूक्लियर फैसिलिटी पर सैन्य हमले यूएन चार्टर और अंतरराष्ट्रीय कानून का उल्लंघन करते हैं। संयुक्त राष्ट्र की अंडर सेक्रेटरी जनरल रोजमेरी डिकार्लो ने ईरान के अनुरोध पर बुलाई गई काउंसिल की आपातकालीन बैठक में कहा कि हमें हर कीमत पर बढ़ते संघर्ष से बचना चाहिए जिसके वैश्विक परिणाम बहुत घातक होंगे।

अरब देश ईरान के समर्थन में

सउदी अरब समेत तमाम गल्फ कांट्रीज की ओर से सोशल मीडिया पर इजराईली हमले की भर्तस्ना की गयी है। फ्रांस और सऊदी अरब ने संयुक्त राष्ट्र की वार्ता को रद्द कर दिया है। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव गुटेरेस सहित विश्व नेताओं ने दीर्घकालीन संघर्ष की चेतावनी देते हुए कहा है कि अब चुप रहने का समय नहीं है यह समय कूटनीति का है और वार को रूकवाना होगा। अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप ने आर्थिक सहयोग और आश्वासन दिया है कि अमेरिकी नौसैनिक और वायु रक्षा साधनों ने इज़राइल की मदद की।

सोने के भाव में उछाल

इजराइल और ईरान के बीच तनाव की वजह से सोने ने अबतक की सबसे ऊंची छलांग लगा ली है और अपने आल टाइम हाईक पर पहुंच गया है। भारत में सोने की कीमत 2200 रुपए चढ़कर 1,01,540 प्रति 10 ग्राम तक पहुंच गई है। वहीं, चांदी की कीमतों में भी बड़ी छलांग देखने को मिली और यह 1,100 रुपए बढ़कर 1,08,100 रुपए प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई, जो अब तक का रिकॉर्ड स्तर है।

धुआं–धुआं तेल अवीव

ईरान ने इजराइल के बड़े शहरों–तेल अवीव, यरुशलेम और हाइफा पर पहली बार इतने बड़े पैमाने पर मिसाइल और ड्रोन से हमला किया। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक सैकड़ों बैलिस्टिक मिसाइलें ड्रोन दागे गए। अधिकांश मिसाइलें और ड्रोन निशानों पर बैठे। ईरान के मुख्य निशाने पर तेल अवीव रहा और वहां हमलों का प्रभाव भी अधिक देखा गया। दर्जनों इमारतों को नुकसान पहुंचने की खबरें हैं और हमले में कम से कम 10 लोगों के मारे जाने और 50 से ज्यादा लोगों के घायल होने की सूचना है। मेगन डेविड एडोम (एमडीए) आपातकालीन चिकित्सा सेवा ने ईरान की ओर से दागी गई बैलिस्टिक मिसाइलों के हमले के बाद हताहतों की संख्या की पुष्टि की है। एमडीए के अनुसार, इन हमलों से भारी क्षति हुई है। मेडिकल टीम घायलों को लाइफ सेविंग ट्रीटमेंट देने के साथ उन्हें नजदीकी अस्पतालों में पहुंचा रही है। एजेंसी ने एक आधिकारिक बयान में कहा है कि एमडीए की टीमों ने लाइफ सेविंग मेडिकल ट्रीटमेंट देकर 21 घायल लोगों को वोल्फसन, शेबा तेल हाशोमर और शमीर-असफ हारोफेह अस्पतालों में पहुंचाया है। हताहतों में 60 वर्षीय महिला थी। उनके अलावा करीब 45 साल के एक व्यक्ति को बचाने की कोशिश की गई लेकिन बाद में उसे मृत घोषित कर दिया गया। करीब 60 वर्षीय एक अन्य महिला गंभीर रूप से घायल हुई है। दो लोग मामूली रूप से चोटिल हुए हैं, जबकि 16 लोगों को मामूली चोटें आई हैं।

हमारे पास पर्याप्त तेल है

केंद्रीय पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्री हरदीप सिंह पुरी ने आश्वासन दिया कि देश में आने वाले महीनों के लिए पेट्रोल, डीजल, जेट ईंधन और एलपीजी जैसे पेट्रोलियम उत्पादों की पर्याप्त आपूर्ति है। पेट्रोलियम मंत्रालय के सचिव और भारत के तेल पीएसयू के साथ समय-समय पर समीक्षा की गई है। हमारे पास आने वाले महीनों के लिए पर्याप्त ऊर्जा आपूर्ति है। उनका यह बयान राष्ट्रीय तेल विपणन कंपनियों- इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन और हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन के सीएमडी के साथ समीक्षा बैठक के बाद आया।

बीजेपी के भीतर चल रही है शर्मनाक लड़ाई : अखिलेश

» अपने–अपने गुट को मजबूत करना चाहते हैं बीजेपी के नेता

» सत्ता का नशा बीजेपी नेताओं को आपस में लड़वा रहा है

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजनीति में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने बड़ा राजनीतिक हमला बोलते हुए भाजपा की अंदरूनी राजनीति को शर्मनाक लड़ाई करार दिया। कौशांबी जिले में भाजपा नेताओं के बीच हुई झड़प को उदाहरण बनाकर अखिलेश ने कहा कि अब सत्ता का नशा भाजपा नेताओं को लड़वा रहा है। नीतियों, विचारों और विकास के बजाय भाजपा के नेताओं की प्राथमिकता कुर्सी की खींचतान और अपने-अपने गुट मजबूत करना है।

अखिलेश यादव ने यह भी दावा किया कि उत्तर प्रदेश में 2027 का विधानसभा चुनाव समाजवादी पार्टी ही जीतेगी और पूर्ण बहुमत से सरकार बनाएगी। उन्होंने कहा कि अब जनता भाजपा की असलियत पहचान चुकी है और सपा की वापसी की राह साफ है। अखिलेश यादव ने भाजपा पर सीधा आरोप

नहीं मिल रहा रोजगार

उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार में नौजवानों को रोजगार नहीं मिल रहा, किसानों को फसल की कीमत नहीं मिल रही और आम आदमी की थाली से रोटी दूर होती जा रही है। फिर भी भाजपा नेता एक-दूसरे के खिलाफ साजिशों में लगे हैं, बयानबाज़ी हो रही है, मारपीट तक की खबरें सामने आ रही हैं। अगर यही %सुशासन% है तो जनता इसे नकारने के लिए तैयार बैठी है।

लगाया कि उसकी सरकार ने राज्य में महंगाई, बेरोजगारी, किसानों की बदहाली और कानून-व्यवस्था की अव्यवस्था को जन्म दिया है, लेकिन खुद को ÷डबल इंजन÷ कहकर प्रचार में जुटी है।

गांव–गांव जाएगी सपा

अखिलेश यादव ने कहा कि अब समाजवादी पार्टी सिर्फ सड़कों पर भाषण देने तक सीमित नहीं रहेगी। पार्टी कार्यकर्ता गांव-गांव, गली-गली जाकर भाजपा की सच्चाई उजागर करेंगे और यह दिखाएंगे कि समाजवादी विचारधारा ही राज्य को फिर से विकास की राह पर ले जा सकती है। उन्होंने कहा कि हमारे कार्यकर्ता एक-एक गांव में पहुंचेंगे, भाजपा के झूठ, नफरत और लूट को उजागर करेंगे। अब यह सिर्फ चुनाव नहीं, लोकतंत्र की वापसी की लड़ाई है।

महंगाई के लिए केन्द्र और राज्य दोनों जिम्मेदार

केंद्र और राज्य सरकार दोनों को महंगाई के लिए जिम्मेदार ठहराते हुए अखिलेश ने कहा कि भाजपा ने व्यापारियों और बड़े पूंजीपतियों को फायदा पहुँचाया है, लेकिन गरीब, किसान, दुकानदार और आम आदमी सब कर्ज में डूब गए हैं। उन्होंने कहा, रसोई गैस, पेट्रोल, डीज़ल, सब्ज़ी, दाल और दूध – सबकुछ आम आदमी की पहुंच से बाहर होता जा रहा है, लेकिन सरकार विज्ञापन में व्यस्त है। अखिलेश ने आगे कहा कि सपा अब जनता की आवाज़ बनेगी। उन्होंने एलान किया कि समाजवादी पार्टी राज्य में महंगाई, बेरोजगारी, भ्रष्टाचार और पुलिसिया अत्याचार के खिलाफ बड़ा आंदोलन खड़ा करेगी। उन्होंने यह भी जोड़ा कि फहम जनता के लिए लड़ेंगे, चाहे विधानसभा हो या सड़क – अब कोई चुप नहीं बैठेगा। जब सरकार जवाबदेह नहीं होती, तब विपक्ष को बोलना ही पड़ता है।

भीषण गर्मी के चलते स्कूलों का अवकाश 30 जून तक बढ़ा

» अब पहली जुलाई से खुलेंगे परिषदीय स्कूल

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। उत्तर प्रदेश में प्रचंड गर्मी और लू की स्थिति को देखते हुए बेसिक शिक्षा परिषद ने एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। प्रदेश के सभी परिषदीय, सहायता प्राप्त और मान्यता प्राप्त प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों को अब 30 जून तक बंद रखने का आदेश जारी किया गया है। इससे पहले ये स्कूल 15 जून तक बंद रहने वाले थे लेकिन मौसम की गंभीरता को देखते हुए छुट्टियों को दो सप्ताह और बढ़ा दिया गया है।

बेसिक शिक्षा परिषद का यह निर्णय पूरी तरह से बच्चों की सेहत और सुरक्षा को ध्यान में रखकर लिया गया है। बीते एक सप्ताह से प्रदेश में तापमान 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया है और दोपहर के समय लू का प्रभाव बच्चों के लिए विशेष रूप से खतरनाक हो सकता है। विशेषज्ञों का भी मानना है कि इस भीषण गर्मी में बच्चों को स्कूल भेजना स्वास्थ्य के लिए जोखिमपूर्ण हो सकता है। परिषद ने स्पष्ट किया है कि इस अवधि में कोई भी शैक्षणिक या गैर-शैक्षणिक गतिविधि स्कूलों में संचालित नहीं की जाएगी। अवकाश के दौरान शिक्षकों और स्टाफ को भी केवल अत्यंत आवश्यक कार्यों के लिए ही विद्यालय में उपस्थित होने की अनुमति होगी।

बीएसए को दिए सख्त निर्देश

प्रदेश के सभी जिलों के बेसिक शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे यह सुनिश्चित करें कि कोई भी स्कूल 30 जून से पहले न खुले। यदि कोई स्कूल इस आदेश का उल्लंघन करता पाया गया तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाएगी। परिषद ने कहा है कि बच्चों की सेहत के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता।

बच्चों को गर्मी से बचाएं अभिभावक

बेसिक शिक्षा परिषद द्वारा जारी आदेश पत्र में यह भी स्पष्ट किया गया है कि अब 1 जुलाई से प्रदेश के सभी स्कूल नियमित रूप से खुलेंगे और शैक्षणिक गतिविधियां पुनः शुरू होंगी। इस दौरान बच्चों और अभिभावकों को यह भी सलाह दी गई है कि वे गर्मी से बचने के उपाय करें–जैसे खूब पानी पीना, दोपहर में धूप से बचना और घर के भीतर रहना।

अभिभावकों और शिक्षकों ने किया फैसले का स्वागत

बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए लिए गए इस निर्णय की अभिभावकों और शिक्षकों ने सराहना की है। परिषदीय विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों की एक बड़ी संख्या ग्रामीण और आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों से आती है, जिनके पास गर्मी से बचाव के पर्याप्त संसाधन नहीं होते। ऐसे में इस फैसले से हजारों बच्चों को राहत मिली है।

महाराष्ट्र में बेमौसम बरसात से फसलों को भारी नुकसान

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

महाराष्ट्र । महाराष्ट्र के नंदुरबार जिले में अप्रैल और मई में हुई बेमौसम बारिश ने किसानों की कमर तोड़ दी है। प्याज, चना, पपीता और केले जैसी फसलों को व्यापक नुकसान हुआ साथ ही कई घर भी ढह गए। इस आपदा से किसानों को काफी नुकसान हुआ है।

जिला प्रशासन ने तत्काल पंचनामा कर नुकसान का आकलन किया और विस्तृत रिपोर्ट राज्य सरकार को सौंप दी है। रिपोर्ट के आधार पर भाजपा महासचिव विजय चौधरी ने राज्य सरकार से तत्काल मुआवजे की मांग की है। चौधरी ने कहा, बेमौसम बारिश ने नंदुरबार के किसानों को गहरे संकट में डाल दिया है। फसलों के साथ-साथ कई किसानों के घर भी क्षतिग्रस्त हुए हैं। प्रशासन ने मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस के निर्देशानुसार सर्वे पूरा कर लिया है। हमारी मांग है कि सरकार तुरंत प्रभावित किसानों को सहायता राशि प्रदान करे। उन्होंने विश्वास जताया कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस इस संकट में किसानों का साथ देंगे क्योंकि वे हमेशा किसानों के हितों के प्रति संवेदनशील रहे हैं।

उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस हमारे किसान भाइयों के प्रति अतिसंवेदनशील हैं, वे किसानों की समस्या, उनके दुख-दर्द को अच्छी तरह से जानते हैं। उनसे मेरी मांग है कि जो हमारे किसान भाई हैं, जिनकी फसल का बड़े पैमाने पर नुकसान हुआ है, उसकी भरपाई सुनिश्चित की जाए।

मुझे विश्वास है कि मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस किसानों को उनकी फसल के नुकसान का मुआवजा जरूर देंगे, जिससे हमारे किसान भाइयों को राहत मिलेगी। महायुति सरकार हमेशा किसानों के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

ईडी की रेड सिर्फ कांग्रेसियों पर ही होती है: तन्खा

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

रायपुर। छत्तीसगढ़ में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की कार्रवाई और सुकमा जिले के कांग्रेस भवन को सीज किए जाने पर प्रदेश की सियासत गर्म हो गई है। कांग्रेस ने इसे बदले की भावना और राजनीति से प्रेरित बताया है। भाजपा का दावा है कि ईडी तथ्यों के आधार पर काम कर रही है। इस बीच कांग्रेस के राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने कहा कि मैंने कभी भाजपा के यहां ईडी की रेड नहीं देखी है।

छत्तीसगढ़ में ईडी की कार्रवाई पर राज्यसभा सांसद विवेक तन्खा ने बयान जारी करतेह हुए कहा है कि ईडी की रेड के बारे में जगजाहिर है कि वह हमेशा कांग्रेस और विपक्षी दलों पर ही छापेमारी कार्रवाई करती है। मैंने कभी नहीं देखा कि ईडी भाजपा के यहां कार्रवाई करे। भाजपा में जो शामिल हो जाता है उसका केस बंद कर दिया जाता है भले ही उसके खिलाफ ईडी ने कितनी बार ही क्यों न रेड की हो। प्रजातंत्र में भाजपा ने यह नई व्यवस्था कायम की है। हालांकि, ईडी के काम करने के तरीके को लेकर कोर्ट ने भी कई बार अपने फैसलों से उनकी शक्तियों पर अंकुश लगाया है।

बाबा साहब महान

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव के एक वीडियो, जिसमें भाजपा का दावा है कि उन्होंने संविधान निर्माता बाबा साहेब अंबेडकर का अपमान किया, जब इसे लेकर कांग्रेस सांसद से प्रतिक्रिया मांगी गई, तो उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि वह कौन सा वीडियो है। आज तकनीक के माध्यम से एआई के द्वारा वीडियो बना ली जाती हैं। मैंने वीडियो नहीं देखा है। इसीलिए, टिप्पणी नहीं करूंगा। बाबा साहेब एक महान पुरुष थे। देश का संविधान रचा।

जरा सा चूक गये

कांग्रेस देश में विपक्ष की भूमिका ठीक से नहीं निभा रही है, कांग्रेस में एकजुटता नहीं दिखाई देती है। जब इस पर कांग्रेस सांसद से जवाब मांगा गया, तो उन्होंने कहा कि यह परिकल्पना बनाई गई है। भाजपा जब विपक्ष में होती थी, तो अपने हिसाब से विरोध करती थी। सत्ता पक्ष अपने हिसाब से काम करता था। भाजपा जिस परिकल्पना की बात कर रही है, वह तो लोकसभा चुनाव में अबकी बार 400 पार का नारा दे रही थी। लेकिन, 240 पर ही सिमट गए। 20 सीट कम आती, तो आज हम सत्ता में होते और भाजपा विपक्ष में होती। अभी चुनाव करा लीजिए, नतीजे सामने आ जाएंगे।

नीतीश के करीबी रहे नेता को लालू ने बनाया राजद का प्रदेश अध्यक्ष

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

पटना। बिहार की सियासत में राष्ट्रीय जनता दल के प्रदेश अध्यक्ष पद की दौड़ में आलोक मेहता के हाथ निराशा लगी और मंगनी लाल मंडल ने बाजी मार ली। 17 जनवरी 2025 को जूडीयू छोड़कर आरजेडी में लौटे मंगनी लाल मंडल का नामांकन आज (14 जून) हो रहा है और 19 जून को पटना के ज्ञान भवन में होने वाली राज्य परिषद की बैठक में उनके अध्यक्ष बनने की औपचारिक घोषणा होगी।

इस फैसले में लालू प्रसाद यादव और तेजस्वी यादव की मुहर ने एक बार फिर लालू की खांटी पॉलिटिक्स से जोड़कर देखा जा रहा है।

बता दें 76 वर्ष के मंगनी लाल मंडल धानुक जाति से आते हैं जो बिहार में जिसकी संख्या लगभग 2.14 प्रतिशत है।

राज्य की आबादी में इनकी संख्या 27 लाख 96 हजार 605 बताई गई है, जो अकेली उपजाति के तौर पर बहुत नहीं है, लेकिन यह ईबीसी समुदाय में जुड़कर गोलबंदी जब बन जाती है तो 30-35प्रतिशत वोटरों का प्रतिनिधित्व करती है। राजनीति के जानकार कहते हैं कि लालू यादव की खांटी पॉलिटिक्स हमेशा से सामाजिक समीकरणों पर टिकी रही है।

गुजरात उपचुनाव तय करेगा विस का भविष्य

2027 से पहले मोदी-शाह की अग्निपरीक्षा !

» केजरीवाल-राहुल का हमला तेज!

» मोदी- शाह की बढ़ी बेचैनी

» विसावदर और कड़ी में होने हैं उपचुनाव

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

गांधीनगर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के गृहराज्य गुजरात की दो विधानसभा सीटों पर 19 जून को होने वाले उपचुनाव के मुकाबले की तस्वीर साफ हो गई है जूनागढ़ जिले की विसावदर और महेसाणा जिले की कडी विधानसभा सीट के लिए बीजेपी, कांग्रेसऔर आम आदमी पार्टी ने अपने-अपने उम्मीदवार उतार दिए हैं। विसावदर और कडी विधानसभा के उपचुनाव को 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल माना जा रहा है। इस तरह से मोदी-शाह के साथ-साथ राहुल गांधी और अरविंद केजरीवाल की अग्निपरीक्षा उपचुनाव में होगी। 2022 के विधानसभा चुनावों में विसावदर सीट पर आम आदमी पार्टी को को जीत मिली थी।

जब कडी सीट पर बीजेपी ने कब्जा जमाया था। विसावदर के विधायक भूपत भायाणी बीजेपी में शामिल हो जाने के चलते खाली हुई है। तो कडी सीट बीजेपी के विधायक करसनभाई सोलंकी के निधन के चलते खाली हुई है। ऐसे में दोनों पार्टियों के लिए अपनी जीती सीटों पर कब्जा बनाए रखने की चुनौती है। विसावदर और कडी उपचुनाव को 2027 के विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल इसलिए कहा जा रहा है क्योंकि यह बीजेपी, कांग्रेस और आप की ताकत का आकलन करने का एक महत्वपूर्ण अवसर है। गुजरात में बीजेपी का दबदबा रहा है। लेकिन आप की 2022 में पांच सीटों की जीत और 13फीसदी वोट शेयर ने उसे एक उभरते हुए विकल्प के रूप में स्थापित किया। वहीं कांग्रेस जो 2017 में 77 सीटें जीतकर मुख्य विपक्षी दल थी। 2022 में 17 सीटों तक सिमट गई, इस उपचुनाव में कांग्रेस के लिए अपनी साख बचाना और आप के लिए अपनी उपस्थिति को मजबूत करना अहम होगा।

त्रिकोणीय मुकाबलें में कई की प्रतिष्ठा दांव पर

विसावदर और कड़ी उपचुनाव गुजरात की सियासत में एक नया अध्याय लिखने जा रहे हैं। बीजेपी कांग्रेस और आप के बीच त्रिकोणीय मुकाबला न केवल स्थानीय मुद्दों। बल्कि राष्ट्रीय नेताओं मोदी, शाह, राहुल गांधी और केजरीवाल की प्रतिष्ठा की भी परीक्षा लेगा। विसावदर में आप की मजबूत स्थिति और कडी में बीजेपी का दबदबा इस उपचुनाव को और रोचक बनाता है। 19 जून को होने वाले मतदान और 23 जून को आने वाले नतीजे गुजरात की राजनीति की दिशा तय करेंगे और 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए एक बड़ा संदेश देंगे।

कांग्रेस ने स्थानीय और मजबूत उम्मीदवार उतारे

कांग्रेस ने दोनों सीटों पर स्थानीय और मजबूत उम्मीदवार उतारे हैं। पार्टी ने उपचुनाव की तैयारियां पहले से शुरू कर दी थीं और पर्यवेक्षकों का एक पैनल नियुक्त किया था। कांग्रेस का मानना है कि गुजरात में मतदाता केवल बीजेपी या कांग्रेस को ही वोट देते हैं। और तीसरे मोर्चे को स्वीकार नहीं करते। वहीं यह उपचुनाव न केवल गुजरात की राजनीति बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी प्रभाव डाल सकता है, बीजेपी के लिए यह अपनी अजेय छवि को बनाए रखने का मौका है। जबकि आप और कांग्रेस के लिए यह अपनी प्रासंगिकता साबित करने का अवसर है, आप की जीत, खासकर विसावदर में 2027 के लिए उनकी रणनीति को मजबूत कर सकती है। वहीं कांग्रेस के लिए अच्छा प्रदर्शन उनकी खोई हुई साख को वापस लाने में मदद करेगा। इसके अलावा यह उपचुनाव इंडिया गठबंधन की एकता पर भी सवाल उठा रहा है। दिल्ली और हरियाणा में आप और कांग्रेस के बीच तनातनी के बाद गुजरात में भी गठबंधन न होने से विपक्षी एकता कमजोर दिख रही है। यह बीजेपी के लिए फायदेमंद हो सकता है। जो विपक्ष के बंटवारे का लाभ उठाने में माहिर है।

विसावदर सीट बीजेपी के लिए विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण

विसावदर सीट बीजेपी के लिए विशेष रूप से चुनौतीपूर्ण है यह सीट पूर्व मुख्यमंत्री केशुभाई पटेल का गढ़ रही है। लेकिन बीजेपी यहां 2007 के बाद से जीत नहीं पाई। 2022 में आप की जीत ने बीजेपी को झटका दिया था . और अब भूपेंद्र भयानी के बीजेपी में शामिल होने के बाद यह सीट फिर से चर्चा में ह आप और कांग्रेस दोनों ही बीजेपी पर विधायकों की खरीद-फरोख्त का आरोप लगा रहे हैं जिसे लेकर इस उपचुनाव में सियासी तापमान और बढ़ गया है। आम आदमी पार्टी इस उपचुनाव को अपनी साख बचाने और गुजरात में अपनी जड़ें मजबूत करने के अवसर के रूप में देख रही है। दिल्ली में हालिया विधानसभा चुनाव में हार के बाद आप के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल गुजरात में सक्रिय हो गए हैं और उन्होंने विसावदर में गोपाल इटालिया के नामांकन के दौरान रोड शो किया और बीजेपी पर तीखे हमले बोले केजरीवाल ने कहा कि विसावदर की जनता ने 18 साल से बीजेपी को घुसने नहीं दिया पहले आपने कांग्रेस को वोट दियातो बीजेपी ने उनके विधायक तोड़े। फिर आपने आप को वोट दिया तो हमारे विधायक को तोड़ा अब गोपाल इटालिया को जिताकर बीजेपी को करारा जवाब दें। बीजेपी के लिए यह उपचुनाव प्रतिष्ठा का सवाल है। खासकर विसावदर सीट पर, जहां वह लंबे समय से जीत से वंचित रही है गुजरात में बीजेपी की मजबूत स्थिति को देखते हुए। पार्टी इन दोनों सीटों पर भारी अंतर से जीत का दावा कर रही है। गुजरात के स्वास्थ्य मंत्री और बीजेपी प्रवक्ता ऋषिकेश पटेल ने कहा कि हमें पूरा भरोसा है कि गुजरात की जनता कांग्रेस और अन्य पार्टियों को नकार देगी हम दोनों सीटों पर हजारों वोटों से जीतेंगे।

भाजपा को डराएगी कांग्रेस व आप

गुजरात में दो सीटों पर होने वाले उपचुनाव को लेकर बिगुल बज चुका है। दोनों सीटों पर 19 जून को मतदान होगा। जिसको लेकर सभी प्रमुख दल अपनी चुनावी तैयारियों में जुट गए हैं। बता दें कि आम आदमी पार्टी ने दोनों सीटों पर अकेले चुनाव लड़ने का एलान किया है। वहीं उपचुनाव की तारीखों का एलान से पहले कांग्रेस के साथ मिलकर चुनाव लड़ने के कयास लगाए जा रहे थे। लेकिन अब सभी अटकलों और कयासों पर विराम लग गया है। आप ने दोनों सीटों पर उम्मीदवारों के उतारने की तैयारी शुरू कर दी है और नेता प्रत्येक सीटों पर जाकर सर्वे कर रही हैं कि किस नेता की जनता के बीच में अधिक पकड़ है, उसके अनुसार आप अपने नेताओं को टिकट देकर मैदान में उतारेगी। कि गुजरात की सियासत एक बार फिर गर्माने वाली है। क्योंकि विसावदर और कड़ी विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की तारीखों का ऐलान हो चुका है। निर्वाचन आयोग ने 25 मई को घोषणा की कि इन दोनों सीटों पर 19 जून 2025 को मतदान होगा। 23 जून को वोटों की गिनती होगी। इस उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस, और आम आदमी पार्टी के बीच कड़ा मुकाबला होने की संभावना है.। खासकर विसावदर सीट पर त्रिकोणीय मुकाबले की चर्चा जोरों पर है। क्योंकि आप ने पहले ही अपने उम्मीदवार के रूप में गोपाल इटालिया को मैदान में उतार दिया है। जबकि कांग्रेस ने स्पष्ट कर दिया है कि वह इंडिया गठबंधन के बावजूद इस सीट पर अकेले लड़ेगी। इस बीच बीजेपी भी अपनी जीत का दम भर रही है। वहीं यह उपचुनाव न केवल गुजरात की सियासत में एक महत्वपूर्ण मोड़ साबित हो सकता है बल्कि यह भविष्य के विधानसभा और लोकसभा चुनावों के लिए भी एक बड़ा संदेश दे सकता है।

बीजेपी को आप और कांग्रेस की चुनौती

बीजेपी को आप और कांग्रेस की चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। आप के आक्रामक प्रचार और केजरीवाल की सक्रियता ने विसावदर में मुकाबले को रोचक बना दिया है इसके अलावा भूपेंद्र भयानी जैसे विधायकों के दल-बदल ने बीजेपी की छवि पर सवाल उठाए हैं। जिसे आप और कांग्रेस भुनाने की कोशिश कर रहे हैं। वहीं कांग्रेस ने इस उपचुनाव में इंडिया गठबंधन की सहयोगी आप के साथ गठबंधन न करने का फैसला किया है। गुजरात कांग्रेस अध्यक्ष शक्तिसिंह गोहिल ने कहा कि पिछले चुनावों में आप ने पूरी ताकत लगाई। लेकिन उन्हें केवल 10-11प्रतिशत वोट मिले। जिससे कांग्रेस को नुकसान हुआ। और बीजेपी को फायदा बीजेपी को हराने के लिए कांग्रेस ही मुख्य विपक्ष है। गोहिल ने आप से अपने उम्मीदवार वापस लेने की अपील की। लेकिन आप ने इसे ठुकरा दिया।

आप इस उपचुनाव में दिखाएगी दम

आप ने इस उपचुनाव के लिए 40 स्टार प्रचारकों की सूची जारी की है। जिसमें केजरीवाल, भगवंत मान, आतिशी, संजय सिंह, गोपाल राय जैसे बड़े नाम शामिल हैं। पार्टी ने गुजरात में अपनी संगठनात्मक ताकत को बढ़ाने के लिए दिल्ली के पूर्व मंत्री गोपाल राय को प्रभारी नियुक्त किया है। आप का दावा है कि विसावदर में उनकी जीत सुनिश्चित है और यह बीजेपी के लिए एक बड़ा झटका होगा।

Sanjay Sharma

editor.sanjaysharma

@Editor_Sanjay

जिद... सच की

गंभीरता से हो उड़ान हादसे की जांच!

डीवीआर से हादसे वाली फ्लाइट के आखिरी पलों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। बरामद डीवीआर में आस-पास के इलाकों से महत्वपूर्ण सीसीटीवी फुटेज या कॉकपिट डेटा होता, जिससे यह पता लगाने में मदद मिलती है कि दुर्घटना से पहले उन आखिरी पलों में क्या हुआ था। डेटा का हर बाइट मायने रखता है और महत्वपूर्ण होता है।

अहमदाबाद-लंदन यात्री उड़ान संख्या एआइ-171 का हादसे ने पूरी दुनिया को स्तब्ध कर दिया। इस हृदय विदारक दुर्घटना में 241 सवारों समेत 265 लोग असमय काल के गाल में समा गए। हादसा के कारणों का पता तो जांच के बाद ही पता चलेगा। पर जिस तरह की खबरें आ रही हैं कि इस विमान को कुछ तकनीकी कारणों से पहले उड़ान में दिक्कत हो रही थी उसे कुछ समय बाद उड़ाने को कह दिया गया। अब अगर सब ठीक होने के बाद इसको उड़ने की इजाजत दी गई तो क्यों दी गई। जो भी हो इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए तकनीकी को और सुदृढ़ करना जरूरी है। वहीं गुजरात आतंकवाद निरोधक दस्ते ने अहमदाबाद में दुर्घटनाग्रस्त हुए एयर इंडिया के विमान के मलबे से एक डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर (डीवीआर) बरामद किया। डीवीआर से हादसे वाली फ्लाइट के आखिरी पलों के बारे में महत्वपूर्ण जानकारी मिल सकती है। बरामद डीवीआर में आस-पास के इलाकों से महत्वपूर्ण सीसीटीवी फुटेज या कॉकपिट डेटा होता, जिससे यह पता लगाने में मदद मिलती है कि दुर्घटना से पहले उन आखिरी पलों में क्या हुआ था। डेटा का हर बाइट मायने रखता है और महत्वपूर्ण होता है।

एविएशन सेक्टर में डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर विमान के ऑनबोर्ड रिकॉर्डिंग सिस्टम का हिस्सा है, जो अक्सर फ्लाइट डेटा रिकॉर्डर और कॉकपिट वॉयस रिकॉर्डर के साथ यूज होता है। इन्हें आमतौर पर ब्लैक बॉक्स कहा जाता है। जहां एफडीआर टेक्निकल फ्लाइट डेटा और सीवीआर कॉकपिट की बातचीत रिकॉर्ड करता है, वहीं डीवीआर अगर मौजूद हो, कॉकपिट के अंदर या कभी-कभी विमान पर लगे बाहरी कैमरों से वीडियो फीड रिकॉर्ड करता है। मॉडर्न फ्लाइट्स, खासकर हेलिकॉप्टर्स और मिलिट्री या एक्सपेरिमेंटल प्लेन्स में, डीवीएम इंस्ट्रूमेंट पैनल, पायलट बिहेवियर और कभी-कभी बाहरी वातावरण के रियल-टाइम वीडियो कैप्चर करने के लिए इंस्टॉल किए जाते हैं। ये वीडियो रिकॉर्डिंग्स में पायलट की हरकतें, विमान के बाहर की स्थिति और इमरजेंसी के दौरान कॉकपिट रिएक्शन्स शामिल हो सकती हैं। डिजिटल वीडियो रिकॉर्डर (डीवीआर) विमान के ब्लैक बॉक्स का हिस्सा है जो कॉकपिट और बाहरी विजुअलर्स को रिकॉर्ड करता है। ये क्रैश जांच में महत्वपूर्ण होता है क्योंकि ये पायलट की हरकतें इंस्ट्रूमेंट पैनल और बाहरी स्थिति दिखाता है।डीवीआर, एफडीआर और सीवीर के डेटा को सपोर्ट करता है जिससे हादसे का कारण पता लगता है और भविष्य में सुरक्षा सुधार संभव होता है। विमान क्रैश होने पर इन्वेस्टिगेटर्स सभी ब्लैक बॉक्स, जिसमें डीवीआर भी शामिल है, रिकवर करते हैं। ये डिवाइसेज आमतौर पर इम्पैक्ट-रेसिस्टेंट और फायरप्रूफ होते हैं, जो हाई-स्पीड इम्पैक्ट या क्रैश से होने वाली आग जैसी एक्सट्रीम कंडीशन्स में भी बच जाते हैं।

(इस लेख पर आप अपनी राय 9559286005 पर एसएमएस या info@4pm.co.in पर ई-मेल भी कर सकते हैं)

युवाओं को नशे का गुलाम बनाने की साजिश

दीपिका अरोड़ा

नशों का निरंतर बढ़ता प्रचलन देश भर के लिए चिंतनीय मुद्दा बन चुका है। नशा समाप्ति के हरसंभव प्रयासों के बावजूद कुछ राज्यों में समस्या गंभीर रूप धारण करती जा रही है। पंजाब का नाम भी इसी सूची में सम्मिलित है। बार्डर पार पाकिस्तान से ड्रोन के ज़रिए राज्य तक पहुंच बनाने वाली नशा तस्करी ही पंजाब की एकमात्र चुनौती नहीं; मादक द्रव्यों की इस घुसपैठ में अंतर्राष्ट्रीय सीमाओं से बड़े पैमाने पर आने वाली साइकोट्रॉपिक ड्रग्स भी शामिल हैं। राष्ट्रीय स्तर पर आकलन करें तो इन दवाओं का नेटवर्क देश में भी बराबर सक्रिय मिलेगा। एंटी नारकोटिक्स टास्क फोर्स (एएनटीएफ) के एडीजीपी अनुसार, हिमाचल प्रदेश के बद्दी, गुजरात तथा देहरादून से संचालित विस्तृत नेटवर्क पंजाब व निकटवर्ती क्षेत्रों में अपना जाल फैला रहा है, जिसमें बिना लाइसेंस कई दवाइयां बनाने वाले कारख़ानों के साथ कुछ पंजीकृत फार्मा कंपनियों के नाम भी सामने आ रहे हैं। एडीजीपी के तहत, 1 मार्च से अब तक 25.70 लाख नशे की गोलियां व कैप्सूल बरामद हो चुके हैं, 44 के करीब दवा कंपनियां एएनटीएफ के रडार पर हैं।

नेशनल ड्रग डिपेंडेंट ट्रीटमेंट की एक रिपोर्ट देखें तो देश की कुल जनसंख्या के 10 से 75 साल तक की आयुवर्ग के लगभग 20 प्रतिशत लोग किसी न किसी प्रकार के नशे के अभ्यस्त हैं। महिलाएं भी इसमें अपवाद नहीं। आजकल कम उम्र के बच्चे भी इसकी चपेट में आने लगे हैं। अनिद्रा, अवसाद, तनाव आदि रोगों के उपचार में प्रयुक्त होने वाली अनेक दवाओं का प्रयोग नशे के रूप में होना गहन चिंता का विषय बन चुका है। 'ड्रग वॉर डिस्टॉर्शन और वर्डोमीटर' की एक रिपोर्ट के मुताबिक, देश में अवैध दवाओं का धंधा बढ़कर लगभग 30 लाख करोड़ रुपये से अधिक हो गया है, जबकि नियमानुसार, भारत में ऐसी दवाओं का सेवन अथवा इन्हें चिकित्सक की पर्ची के बगैर बेचना दोनों ही कानूनन निषेध हैं। दरअसल, इस मुद्दे ने भारत में 'नारकोटिक ड्रग्स एंड साइकोट्रॉपिक सब्सटेंस' अधिनियम 1985 (एनडीपीएस), के बाद प्रमुखता हासिल की।

कई भारतीय राज्य उपचारात्मक तथा निवारक उपायों के साथ-साथ नशीली दवाओं के उपयोग एवं दुरुपयोग के दुष्प्रभावों के ख़िलाफ़ जागरूकता फैलाकर इस समस्या का निराकरण

करने की कोशिश में लगे हैं। हालांकि, सतही तौर पर देश में इस खतरे से निपटने के लिए शायद ही कोई कारगर नीति संज्ञान में हो!

कटु, लेकिन सत्य यही है कि नशीली दवाओं के दुरुपयोग से निपटने हेतु राज्य प्राधिकारियों तथा स्थानीय सरकारों की सीमित भूमिका से भारत में मादक पदार्थों के उपयोग में कमी नहीं आ पाई। नशों के प्रति बढ़ते रुझान में विविध कारक ज़िम्मेदार रहते हैं, जैसे- तनाव, अकेलापन, असफलता आदि। रिश्तों से जुड़ी समस्यायों, निर्धनता, बेरोजगारी, शैक्षिक तथा मनोरंजक संसाधनों तक सीमित पहुंच के चलते भी मादक द्रव्यों के सेवन की संभावना बढ़ जाती है क्योंकि कुछ लोग इनसे बचने अथवा निपटने के लिए नशीली दवाओं का सहारा लेने लगते हैं। नशे में संलिप्त किसी पारिवारिक सदस्य की देखा-देखी, सोशल मीडिया, फिल्मों अथवा कुसंगति के प्रभाव में भी नशीली दवाओं का सेवन आम देखा गया। युवाओं में साइकोट्रॉपिक ड्रग्स का चलन बढ़ने में प्रमुख कारण है, मूल्य में कम होने के साथ इनका सहज ही उपलब्ध हो जाना। हालांकि ये दवाएं बिना डॉक्टर की पर्ची के बेचने-ख़रीदने की सख़्त मनाही है, बावजूद इसके अवैध ढंग से बिकने वाली इन दवाओं का नशे के तौर पर इस्तेमाल आजकल व्यापक स्तर पर होने लगा है। मेडिकल विशेषज्ञों के अनुसार, इन नशे की दवाओं का अनुचित उपयोग करने से मानसिक अवस्था पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। हेरोइन व अन्य किस्म के नशों का सेवन करने वाले व्यक्ति अक्सर इन ड्रग्स के आदी पाए जाते हैं। दवा का इस्तेमाल बेशक दर्दनाक भावनाओं जैसे- चिंता, अवसाद, एकाकीपन आदि से निपटने के नाम पर किया जाता है लेकिन नशे के रूप में बेलगाम आदत, वास्तव में समस्यायों को बद से बदतर बना छोड़ती है।

नशीली दवाएं ग्रहण करने की लत न केवल व्यसनी का शारीरिक-मानसिक-बौद्धिक स्वास्थ्य बिगाड़ती हैं अपितु पारिवारिक सदस्यों की सामाजिक व आर्थिक क्षमताओं के दृष्टिगत भी प्रतिकूलताएं ही लेकर आती हैं। समूचे समाज तथा सरकार पर अवांछित वित्तीय बोझ बढ़ने लगता है, जिससे शासन-कानून-व्यवस्था एवं स्वास्थ्य सेवा प्रणाली, सभी प्रभावित होते हैं। संविधान के अनुच्छेद 47 में सार्वजनिक स्वास्थ्य में सुधार और हानिकारक पदार्थों के निषेध का आह्वान किया गया है।

विश्वविद्यालयों में बदलाव की अर्थपूर्ण पहल

डॉ. सुधीर कुमार

एक विश्वविद्यालय केवल डिग्रियां बांटने वाली संस्था नहीं, बल्कि ज्ञान का मंदिर और छात्रों के व्यक्तित्व निर्माण का केंद्र होता है, और शिष्य -परंपरा के प्रति गहन प्रतिबद्धता को भी समाहित करता है। स्पष्ट है कि 'गुरु' शब्द में जो सम्मान, त्याग, ज्ञान और परोपकार का भाव निहित है, वह 'पति' शब्द में नहीं। एक विश्वविद्यालय का प्रमुख केवल उसका प्रशासक नहीं होना चाहिए, बल्कि उसका 'गुरु' होना चाहिए, जो छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को ज्ञान, नैतिकता और समग्र विकास के मार्ग पर प्रेरित करे।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) की कुलपति द्वारा अपने पदनाम को 'कुलपति' से बदलकर 'कुलगुरु' करने का निर्णय शिक्षा जगत में एक विचारणीय पहल है। यह सिर्फ एक शब्द का बदलाव नहीं, बल्कि इसके पीछे भारतीय ज्ञान परंपरा, शैक्षणिक मूल्यों और गुरु-शिष्य परंपरा को पुन: स्थापित करने की सोच निहित है। इस कदम पर व्यापक चिंतन की आवश्यकता है। 'कुलपति' शब्द 'कुल' (परिवार या समुदाय) और 'पति' (स्वामी या मुखिया) से मिलकर बना है। यह प्रशासनिक अधिकार और स्वामित्व का बोध कराता है। इसमें सम्मान और अधिकार का भाव तो है, लेकिन शिक्षा और मार्गदर्शन का उतना नहीं। 'कुलगुरु' शब्द का मूल संस्कृत में है, और यह 'कुल' (परिवार/समूह) और 'गुरु' (शिक्षक/मार्गदर्शक) से मिलकर बना है। यह शब्द न केवल प्रशासनिक प्रमुखता को दर्शाता है, बल्कि इससे कहीं अधिक, यह ज्ञान, मार्गदर्शन, नैतिक नेतृत्व और छात्रों के प्रति पितृतुल्य स्नेह की भावना को भी समाहित करता है।

'कुलगुरु' वह होता है जो अपने कुल के सदस्यों को ज्ञान के मार्ग पर ले जाता है, उनके आध्यात्मिक और बौद्धिक विकास में सहायता करता है। एक विश्वविद्यालय केवल डिग्रियां बांटने वाली संस्था नहीं, बल्कि ज्ञान का मंदिर और छात्रों के व्यक्तित्व निर्माण का केंद्र होता है, और शिष्य -परंपरा के प्रति गहन प्रतिबद्धता को भी समाहित करता है। स्पष्ट है कि 'गुरु' शब्द में जो सम्मान, त्याग, ज्ञान और परोपकार का भाव निहित है, वह 'पति' शब्द में नहीं। एक विश्वविद्यालय का प्रमुख केवल उसका प्रशासक नहीं होना चाहिए, बल्कि उसका 'गुरु' होना चाहिए, जो छात्रों, शिक्षकों और कर्मचारियों को ज्ञान, नैतिकता और समग्र विकास के मार्ग पर प्रेरित करे। नि:संदेह, विश्वविद्यालयों के प्रमुखों के लिए 'कुलगुरु' की उपाधि 'कुलपति' से कहीं अधिक उपयुक्त और श्रेष्ठ है। यह एक प्रतीकात्मक बदलाव हो सकता है, लेकिन इसका गहरा मनोवैज्ञानिक और सांस्कृतिक प्रभाव पड़ेगा।

यह विश्वविद्यालय के प्रमुख को केवल एक प्रबंधक नहीं, बल्कि एक मार्गदर्शक, एक संरक्षक और एक ज्ञानी व्यक्ति के रूप में स्थापित करेगा जो अपने 'कुल' के सभी सदस्यों के प्रति जिम्मेदार है। हां, यह बदलाव रातों-रात नहीं होगा और इसके लिए गहन विचार-विमर्श और सर्वसम्मति की आवश्यकता होगी। देश के विश्वविद्यालय को इस बदलाव पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। यह केवल एक भाषाई बदलाव नहीं, बल्कि एक वैचारिक बदलाव है जो भारतीय शिक्षा प्रणाली को उसकी मूल भावना से जोड़ सकता है। अन्य विश्वविद्यालयों द्वारा 'कुलपति' के स्थान पर 'कुलगुरु' की उपाधि अपनाना एक सकारात्मक और दूरगामी कदम होगा।

यह बदलाव विश्वविद्यालय के प्रमुख की भूमिका को केवल प्रशासनिक मुखिया से ऊपर उठाकर एक नैतिक और शैक्षणिक मार्गदर्शक के रूप में स्थापित करेगा, जिससे भारतीय गुरु-शिष्य परंपरा का पुनरुद्धार होगा। यह हमारी संस्कृति और मूल्यों के प्रति सम्मान का प्रतीक भी बनेगा। हालांकि, यह भी समझना आवश्यक है कि केवल पदनाम बदलने से रातों-रात बदलाव नहीं आ जाएगा। 'कुलगुरु' की उपाधि को सार्थक बनाने के लिए कुलपति को वास्तव में गुरु की भूमिका निभानी होगी- छात्रों के साथ संवाद स्थापित करना, उनकी समस्याओं को समझना, उन्हें अकादमिक और व्यक्तिगत रूप से मार्गदर्शन करना, और विश्वविद्यालय के शैक्षणिक उत्थान के लिए प्रतिबद्ध रहना। यह बदलाव एक प्रतीकात्मक शुरुआत है, जिसका वास्तविक प्रभाव तब दिखेगा जब यह भावना विश्वविद्यालय के संपूर्ण कार्यप्रणाली में प्रतिबिंबित होगी। भारतीय परंपरा में गुरु का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। गुरु केवल पाठ्यक्रम नहीं पढ़ाता, बल्कि वह छात्रों को जीवन के मूल्यों, नैतिकता और सही-गलत का ज्ञान भी देता है। 'कुलगुरु' के रूप में, कुलपति की भूमिका केवल विश्वविद्यालय के प्रशासनिक कार्यों तक सीमित नहीं रहती, बल्कि वह छात्रों और शिक्षकों के लिए एक प्रेरणास्रोत, एक संरक्षक और एक ज्ञानी मार्गदर्शक भी बन जाता है।

यह बदलाव एक ऐसे माहौल को बढ़ावा दे सकता है जहां छात्र अपने 'कुलगुरु' के प्रति अधिक सम्मान और विश्वास महसूस करें, जिससे एक स्वस्थ और सहयोगात्मक शैक्षणिक वातावरण का निर्माण होगा। निस्संदेह, 'कुलगुरु' का पदनाम हमें याद दिलाएगा कि विश्वविद्यालय का मुखिया केवल एक प्रशासक नहीं, बल्कि एक ऐसा व्यक्ति है जो ज्ञान के प्रकाश से छात्रों के जीवन को रोशन करता है। यह एक ऐसा परिवर्तन है जो न केवल भारतीय शिक्षा प्रणाली को मजबूत करेगा, बल्कि उसे उसकी गौरवशाली परंपरा से भी जोड़ेगा। जेएनयू ने एक सराहनीय शुरुआत की है, और अब अन्य विश्वविद्यालयों की बारी है कि वे इस महत्वपूर्ण विचार को अपनाकर शिक्षा के क्षेत्र में एक नए युग की शुरुआत करें।

बच्चों के लिए पिता को खास दिन महसूस कराने का मौका

फादर्स डे

पहली बार किसने मनाया था फादर्स डे?

फादर्स डे दो बेटियों का अपने पिता के लिए प्रयास था। पिता के लिए समर्पित दिन मनाने का पहला प्रयास ग्रेस गोल्डन क्लेटन ने किया था। 1908 में वेस्ट वर्जीनिया के फेयरमोंट में ग्रेस ने अपने पिता की याद में एक चर्च सेवा आयोजित की। हालांकि तब इस आयोजन को व्यापक पहचान नहीं मिल सकी।

बच्चे को जन्म भले ही मां देती हैं, लेकिन इस दुनिया और समाज में वह सुरक्षित रह सके, यह बच्चे का पिता सुनिश्चित करता है। बच्चे के लिए मां जितनी अहम है, उतनी जरूरी भूमिका पिता की भी है। मां अपने बच्चे को खुलकर लाड-प्यार और दुलार करती है, अधिकतर मामलों में पिता मां जैसा दुलार बच्चे से नहीं दिखा पाते, लेकिन बच्चे की ख्वाहिश, सपने, शौक और उज्जवल भविष्य के लिए हर जरूरी कदम उठाकर एक अदृश्य स्नेह जताते हैं। पिता की सख्ती में उनकी फिक्र, प्यार छुपा होता है। बच्चे अपनी मां से खुलकर भावनाओं की अभिव्यक्ति कर जाते हैं लेकिन पिता के सामने कुछ शांत रहते हैं। हालांकि पिता के त्याग और फिक्र और उनके योगदान को हर बच्चे को समझना चाहिए। इसके लिए हर साल एक खास दिन है, जब आप अपने पापा को उनके योगदान के लिए आभार व्यक्त कर सकते हैं। जून के महीने में पिता के लिए समर्पित इस खास दिन को फादर्स डे के तौर पर मनाया जाता है। अक्सर हम मां से तो अपने प्यार की अभिव्यक्ति कर जाते हैं लेकिन पिता को अनदेखा कर जाते हैं। फादर्स डे पिता को खास महसूस कराने का मौका देता है। किसी पिता के लिए उसके बच्चे ने पहली बार यह दिन मनाया और तब से दुनियाभर में बच्चे अपने पिता के लिए फादर्स डे मनाने लगे। इस दिन को पापा के लिए स्पेशल बना सकते हैं।

कब मनाते है?

हर साल फादर्स डे जून महीने के तीसरे रविवार को मनाया जाता है। इस वर्ष पिता को समर्पित फादर्स डे 15 जून 2025 को मनाया जायेगा।

जून में ही क्यों मनाते हैं फादर्स डे

बाद में 1910 में वाशिंगटन की एक बेटी ने भी यही मांग उठाई। सोनोरा स्मार्ट डॉड ने अपने पिता विलियम जैक्सन स्मार्ट के लिए पहली बार फादर्स डे मनाया। विलियम के छह बच्चे थे, जिनकी परवरिश उन्होंने मां और पिता दोनों के रूप में की। अपने पिता की परवरिश और प्रयासों को सम्मान देने और उनकी याद में सोनोरा ने 19 जून 1910 को स्पोकेन, वाशिंगटन में पहली बार आधिकारिक तौर पर फादर्स डे मनाया। 19 जून को फादर्स डे इसलिए मनाया गया था, क्योंकि इसी दिन सोनोरा के पिता का जन्मदिन होता था।

फादर्स डे का महत्व

पिता के योगदान, उनके परिश्रम, समर्पण को सम्मानित करने के लिए यह दिन खास महत्व रखता है। फादर्स डे अपने पिता के प्रति आभार व्यक्त करने और जीवन में किए गए त्याग व समर्पण की सराहना करने का मौका देता है। इस दिन बच्चे अपने पापा के लिए कुछ स्पेशल करते हैं। उन्हें तोहफे देकर या उन्हें खुश करने के लिए कई तरह के प्रयास करके पापा से अपने प्यार की अभिव्यक्ति करते हैं।

फादर्स डे का इतिहास

पहली बार फादर्स डे 1910 में अमेरिका के वाशिंगटन राज्य में मनाया गया था। हालांकि फादर्स डे मनाने की नींव 1908 में उठी थी, जब एक बेटी ने अपने पिता की याद में खास आयोजन किया। इसके बाद साल 1966 में जून के तीसरे रविवार को फादर्स डे मनाने की आधिकारिक तौर पर मान्यता मिली।

हंसना मना है

एक लड़की: हे भगवान, मेरी शादी किसी समझदार आदमी से करवा दो, भगवान: घर जाओ बेटी समझदार आदमी कभी शादी नहीं करते!

संता: आज तेरे मोबाइल पे बड़े आई लव यू के मैसेज आ रहे है, क्या बात है? बंता : ओ कुछ नहीं यार, अपनी ऐसी किस्मत कहां, आज तो बीवी का मोबाइल लाया हूं!

हिंदी में एक लड़का फेल हुआ तो उसके पापा ने कहा, देख-देख उस लड़की को देख, वो तुम्हारे साथ पढ़ती है और फस्ट आयी है। लड़का: देख-देख क्या देख, उसी को देख-देख के तो फेल हुआ हूं!

लड़की: अगर मैं मर जाऊं तो तुम क्या करोगे? लड़का: मैं भी मर जाऊंगा, लड़की: पर क्यों? लड़का: कभी-कभी ज्यादा खुशी भी जान ले लेती है!

फेंकू- पप्पू, जल्दी से टीवी चालू कर, 30 फीट का सांप दिखा रहे हैं, पप्पू- अरे फेंकू, नहीं देख सकते हम, फेंकू- क्यों? पप्पू- क्योंकि हमारा टीवी 21 इंच का है ना।

मां अपने बेटे से: उठ जा कम्बखत, देख सूरज कब का निकल आया है, बेटा अपनी मां से: तो क्या हुआ मां! वो सोता भी तो मुझसे पहले है।

कहानी | आखिर कर्म ही महान है

एक बार बुद्ध एक गांव में अपने किसान भक्त के यहां गए। शाम को किसान ने उनके प्रवचन का आयोजन किया। बुद्ध का प्रवचन सुनने के लिए गांव के सभी लोग उपस्थित थे, लेकिन वह भक्त ही कहीं दिखाई नहीं दे रहा था। गांव के लोगों में कानाफूसी होने लगी कि कैसा भक्त है कि प्रवचन का आयोजन करके स्वयं गायब हो गया। प्रवचन खत्म होने के बाद सब लोग घर चले गए। रात में किसान घर लौटा। बुद्ध ने पूछा- कहां चले गए थे? गांव के सभी लोग तुम्हें पूछ रहे थे। किसान ने कहा, दरअसल प्रवचन की सारी व्यवस्था हो गई थी, पर तभी अचानक मेरा बैल बीमार हो गया। पहले तो मैंने घरेलू उपचार करके उसे ठीक करने की कोशिश की, लेकिन जब उसकी तबीयत ज्यादा खराब होने लगी तो मुझे उसे लेकर पशु चिकित्सक के पास जाना पड़ा। अगर नहीं ले जाता तो वह नहीं बचता। आपका प्रवचन तो मैं बाद में भी सुन लूंगा। अगले दिन सुबह जब गांव वाले पुन: बुद्ध के पास आए तो उन्होंने किसान की शिकायत करते हुए कहा, यह तो आपका भक्त होने का दिखावा करता है। प्रवचन का आयोजन कर स्वयं ही गायब हो जाता है। बुद्ध ने उन्हें पूरी घटना सुनाई और फिर समझाया, उसने प्रवचन सुनने की जगह कर्म को महत्व देकर यह सिद्ध कर दिया कि मेरी शिक्षा को उसने बिल्कुल ठीक ढंग से समझा है। उसे अब मेरे प्रवचन की आवश्यकता नहीं है। मैं यही तो समझाता हूं कि अपने विवेक और बुद्धि से सोचो कि कौन सा काम पहले किया जाना जरूरी है। यदि किसान बीमार बैल को छोड़ कर मेरा प्रवचन सुनने को प्राथमिकता देता तो दवा के बगैर बैल के प्राण निकल जाते। उसके बाद तो मेरा प्रवचन देना ही व्यर्थ हो जाता। मेरे प्रवचन का सार यही है कि सब कुछ त्यागकर प्राणी मात्र की रक्षा करो। इस घटना के माध्यम से गांव वालों ने भी उनके प्रवचन का भाव समझ लिया।

7 अंतर खोजें

पंडित संदीप आत्रेय शास्त्री

जानिए कैसा रहेगा कल का दिन

लेखक प्रसिद्ध ज्योतिषविद हैं। सभी प्रकार की समस्याओं के समाधान के लिए कॉल करें-9837081951

मेष शेयर मार्केट, म्युचुअल फंड इत्यादि से लाभ होगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। जल्दबाजी न करें। लेनदारी वसूल करने के प्रयास सफल रहेंगे। व्यावसायिक यात्रा मनोनुकूल रहेगी।

वृषभ नई आर्थिक नीति बन सकती है। कार्यस्थल पर सुधार व परिवर्तन से भविष्य में लाभ होगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। पार्टनरों का सहयोग कार्य में गति प्रदान करेगा।

मिथुन लाभ के अवसर हाथ आएंगे। भाग्य का साथ मिलेगा। शत्रु सक्रिय रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में उन्नति होगी। निवेशादि करने का मन बनेगा।

कर्क धनागम होगा। प्रतिद्वंद्वी अपना रास्ता छोड़ देंगे। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। किसी भी प्रकार के झगड़ों में न पड़ें। कीमती वस्तुएं संभालकर रखें।

सिंह रोजगार प्राप्ति के प्रयास सफल रहेंगे। उन्नति के मार्ग प्रशस्त होंगे। सभी ओर से खुश खबरें प्राप्त होंगी। पारिवारिक चिंता रहेगी। अज्ञात भय सताएगा।

कन्या ऐश्वर्य के साधनों पर व्यय होगा। आय के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्योन्नति के प्रयास सफल रहेंगे। व्यापार-व्यवसाय लाभदायक रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

तुला लाभ के अवसर हाथ आएंगे। व्यापार-व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा। नौकरी में संतोष रहेगा। पार्टी व पिकनिक का आनंद मिलेगा।

वृश्चिक किसी अपरिचित व्यक्ति पर अतिविश्वास न करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। प्रेम-प्रसंग में अनुकूलता रहेगी। पुराना रोग उभर सकता है।

धनु व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। प्रयास सफल रहेंगे। पराक्रम बढ़ेगा। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। अज्ञात भय सताएगा।

मकर घर में अतिथियों का आगमन होगा। शुभ समाचार प्राप्त होंगे। नौकरी में अधिकार मिल सकते हैं। शेयर मार्केट से लाभ होगा। बाहर जाने का मन बनेगा।

कुम्भ अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। नौकरी में प्रमोशन? मिल सकता है। सुख के साधनों पर व्यय होगा। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी।

मीन व्यवसाय ठीक चलेगा। आय बनी रहेगी। शारीरिक कष्ट से बाधा संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। वाणी पर नियंत्रण रखें। हल्की हंसी-मजाक न करें।

बॉलीवुड | मन की बात

शराब बुरी नहीं है, बुरा है शराब का अतिसेवन : जावेद अख्तर

जावेद अख्तर अपनी मुखरता के लिए जाने जाते हैं। हर मुद्दे पर बिना हिचकिचाहट या डर के वो अपनी राय रखते हैं और उसको लेकर कई बार ट्रोल्स के निशाने पर भी आ जाते हैं। जावेद अख्तर खुद नास्तिक हैं और अक्सर संगठित धर्म के खिलाफ बोलते नजर आते हैं। हाल ही में उन्होंने धर्म के मामले पर चर्चा की और इसकी तुलना शराब से की। जावेद अख्तर ने हाल ही में आज तक रेडियो के साथ एक इंटरव्यू में धर्म पर चर्चा की। धर्म की तुलना शराब से करते हुए उन्होंने कहा कि दोनों तब तक ठीक हैं जब तक उनका संयम में सेवन किया जाए, लेकिन शायद ही कभी जिम्मेदारी से सेवन किया जाता है। उन्होंने कहा, दिन में दो पैग व्हिस्की वास्तव में फायदेमंद होते हैं। समस्या तब आती है जब लोग सिर्फ दो पैग पर रुक नहीं पाते। जावेद कई दशकों से शराब से दूर हैं और उन्होंने अक्सर इस बात पर अफसोस जताया है कि उन्होंने अपने जीवन के कई साल शराब में बर्बाद कर दिए। उन्होंने कहा, 'शराब और धर्म में बहुत समानता है। अमेरिकियों ने एक सर्वे किया था कि कौन ज्यादा जीता है। जो व्यक्ति शराब नहीं पीता या जो व्यक्ति हर दिन पूरी बोतल पीता है। तो यह पाया गया कि दोनों ही सलाह देने वाले नहीं हैं। जो लोग सबसे लंबे समय तक जीते हैं, वे वो हैं जो नियम से अपने डिनर से पहले दो पैग लेते हैं। दवाओं में शराब होती है, यह इतनी बुरी कैसे हो सकती है? बुरा है अति सेवन'। उन्होंने आगे कहा, 'अगर कोई व्यक्ति दो गिलास दूध पीता है तो यह ठीक है। लेकिन अगर वह दो गिलास व्हिस्की पीता है, तो यह ठीक नहीं है। लोग कभी दो पर नहीं रुकते? वे दूध के साथ अति नहीं करते, लेकिन वे व्हिस्की और धर्म के साथ अति करते हैं। यह हानिकारक हो जाता है। कुछ कैंसर कोशिकाएं आपको पतला रखेंगी, लेकिन वे बढ़ेंगी और आपको मार देंगी।' उन्होंने सभी प्रकार के धर्मों के प्रति अपनी नापसंदगी के बारे में भी खुलकर बात की है। उन्होंने कहा, कुछ साल पहले, उनका आध्यात्मिक नेता सद्गुरु के साथ एक बहस हुई थी। जो कुछ भी तर्क, कारण, साक्ष्य, गवाह से रहित है, वह विश्वास है। मुझे वास्तव में आश्चर्य होता है कि विश्वास और मूर्खता में क्या अंतर है, क्योंकि मूर्खता की भी यही परिभाषा है।

सनी देओल-वरुण धवन की बॉर्डर 2 में हुई सोनम बाजवा की एंट्री

बॉलीवुड | मसाला

28 साल बाद मेकर्स एक बार फिर से ऑडियंस के रोंगटे खड़े करने की तैयारी कर रहे हैं। जेपी दत्ता के निर्देशन में बनी 1997 में आई सनी देओल-सुनील शेट्टी, जैकी श्रॉफ और अक्षय खन्ना मल्टीस्टारर फिल्म का सीक्वल लेकर आ रहे हैं, जिसकी घोषणा 13 जून 2024 में हुई थी।

सनी देओल ने फिल्म बॉर्डर-2 का पहला पोस्टर अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया था। हालांकि, इस बार उनकी फिल्म में बॉर्डर पर लड़ने वाले फौजियों के चेहरे बदलने वाले हैं, क्योंकि सनी देओल को इस फिल्म के सीक्वल में वरुण धवन-दिलजीत दोसांझ और अहान शेट्टी ने ज्वाइन किया है। ये तीनों तो फिल्म का हिस्सा पहले से ही थे, लेकिन अब रिपोर्ट्स 2 के मुताबिक, बॉर्डर 2 की पहली एक्ट्रेस भी फाइनल हो चुकी है, कौन हैं वह, नीचे आर्टिकल में पढ़ें

सनी देओल-वरुण धवन स्टारर बॉर्डर 2 में जिस एक्ट्रेस की एंट्री हुई है, वह अक्षय कुमार के साथ फिल्म हाउसफुल-5 में भी नजर आ चुकी हैं। अब तक तो आप समझ गए होंगे कि हम किसकी बात कर रहे हैं, अगर नहीं तो बता दें कि इस देशभक्ति फिल्म को ज्वाइन करने वाली पहली एक्ट्रेस सोनम बाजवा हैं।

एंटरटेनमेंट पोर्टल पिंकविला की एक खबर के मुताबिक, पंजाबी एक्ट्रेस सोनम बाजवा फिल्म में मुख्य भूमिका निभाती हुई दिखाई देंगी। इस फिल्म के लिए एक्ट्रेस जून के एंड तक शूटिंग शुरू कर देंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह फिल्म में एक पंजाब की मजबूत लड़की का किरदार अदा करते हुए दिखाई देंगी।

इस रिपोर्ट में ये भी दावा किया गया है कि बॉर्डर 2 में सोनम बाजवा की जोड़ी दिलजीत दोसांझ के साथ बनेगी। जिनके साथ वह हौसला रख, सरदारजी,पंजाब 1984 सहित कई फिल्मों में नजर आ चुके हैं। बॉर्डर 2 की भले ही स्टारकास्ट नई हो, लेकिन इसमें पुराना गाना संदेसे आते हैं डाला जा रहा है, जिसे सोनू निगम और अरिजीत सिंह अपनी आवाज में गाएंगे।

अजय देवगन में तोड़े ओटीटी के सारे रिकॉर्ड

ओटीटी की दुनिया अब बॉलीवुड स्टार्स के लिए सिर्फ एक ऑप्शन नहीं, बल्कि एक बड़ा मंच बन चुका है। एक समय था जब फिल्मों के बाद टीवी को छोटा पर्दा कहा जाता था, लेकिन अब ओटीटी प्लेटफॉर्म्स नए-नए सुपरस्टार्स गढ़ रहे हैं और वो भी करोड़ों की फीस के साथ!

सिर्फ 7 एपिसोड और फीस 125 करोड़!

मनोज बाजपेयी से लेकर नीना गुप्ता और जितेंद्र तक कई शानदार कलाकारों ने ओटीटी के जरिए खुद को दोबारा स्थापित किया। उनकी वेब सीरीज हर बार चर्चा में रहती हैं, लेकिन इस रेस में अब बॉलीवुड के बड़े चेहरे भी कूद चुके हैं और कुछ ने तो फीस के मामले में सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। अब तक की सबसे बड़ी ओटीटी फीस लेने वाले स्टार की बात करें तो ये रिकॉर्ड किसी और के नहीं, बल्कि अजय देवगन के नाम है। उन्होंने डिजिटल डेब्यू करते हुए ऐसा धमाका किया कि पूरी इंडस्ट्री देखती रह गई।

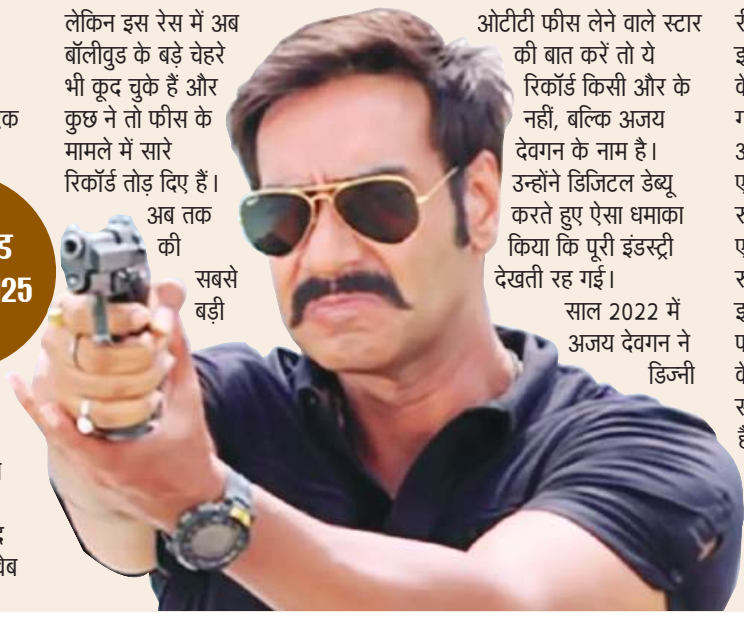

साल 2022 में अजय देवगन ने डिज्नी + हॉटस्टार की वेब सीरीज 'रुद्रः द एज ऑफ डार्कनेस' से ओटीटी डेब्यू किया। ये ब्रिटिश शो 'लूथर' का हिंदी रीमेक था। इस थ्रिलर शो में अजय ने इतना शानदार परफॉर्म किया कि फीस के मामले में वो सीधे सबसे ऊपर पहुंच गए। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, अजय देवगन ने 'रुद्र' के सात एपिसोड के लिए कुल 125 करोड़ रुपये की फीस ली थी। यानी एक एपिसोड की कीमत करीब 18 करोड़ रुपये। ये आंकड़ा भारतीय ओटीटी इतिहास में अब तक की सबसे बड़ी फीस है। 'बॉलीवुड हंगामा' की रिपोर्ट के अनुसार, अजय देवगन की कुल संपत्ति 427 करोड़ रुपये के आसपास है। वो न सिर्फ एक्टर हैं, बल्कि प्रोड्यूसर और बिजनेस मैन भी हैं, यानी उनके पास कमाई के कई रास्ते हैं- लेकिन ओटीटी की दुनिया में उनकी एंट्री ने उन्हें नए मुकाम पर पहुंचा दिया।

अजब-गजब | इन लोगों ने पानी में ही बसा ली है अपनी दुनिया

1300 साल से जमीन पर नहीं बल्कि समुद्र में ही रह रहे हैं इस जनजाति के करीब 7000 लोग

देश-दुनिया में कई जनजातियां हैं, जो आज भी अपनी परंपरा और रिवाज को मानती है। आमतौर पर तो इंसान जमीन पर ही रहते हैं, लेकिन दुनिया में एक जनजाति ऐसी भी है, जो जमीन पर नहीं रहती है। आप जानकार चौंक जाएंगे कि ये जनजाति कहां और किस हाल में रहती है।

दरअसल, चीन में रहने वाली टांका जनजाति बीते 1300 साल से जमीन पर नहीं रह रही, बल्कि इस जनजाति के लोग समुद्र में ही रह रहे हैं। इस जनजाति की आबादी करीब 7000 है। इन लोगों ने पानी में ही अपनी दुनिया बसा ली है। इस जनजाति को जिप्सीज ऑफ द सी कहा जाता है। इस जनजाति की चौंकाने वाली बात है ये समुद्र में ही तैरता हुआ गांव बसा चुके हैं। रिपोर्ट्स बताती हैं कि करीब 700 ईस्वी से लेकर अब तक ये लोग समुद्र में बने अपने गांव में ही रह रहे हैं। यहीं मछली का शिकार कर जीवन यापन करते हैं। टांका जनजाति के लोगों ने अपने घर समुद्र में तैरती नाव पर ही बना लिए हैं। ऐसा दावा किया जाता है कि बीते 1300 साल से इन्होंने धरती पर पैर नहीं रखा है। ये आधुनिक दुनिया से दूर अपनी खुद की दुनिया बसा चुके हैं। इतिहास बताता है कि टांका जनजाति के लोग तांग राजवंश के शासकों से परेशान हो चुके थे। उन्होंने दुखी होकर जमीन छो? दी और समुद्र पर ही रहने लगे। इसके बाद से ये लोग आज तक वहीं रहते आ रहे हैं। हालांकि, इनके कुछ लोगों ने सरकार की मदद से तट के पास घर बना लिए हैं और इनमें रहते हैं।

दुनिया की वो जनजाति, जहां महिलाओं के होंठ को देखकर दिया जाता है दहेज

दुनिया में एक ऐसी अनोखी जनजाति है जहां महिलाओं की खूबसूरती का एक अलग ही पैमाना है। यहां लड़कियों के होंठों में प्लेट डालने की परंपरा है। इसे वे अपनी पहचान और सुंदरता का अहम हिस्सा मानते हैं। यह जनजाति है मुर्सी जनजाति , जो मुख्य रूप से इथियोपिया की ओमो घाटी में रहती है। ये अपनी खास परंपराओं, अनोखी वेशभूषा और जीवनशैली के लिए पूरी दुनिया में जाने जाते हैं। मुर्सी महिलाएं अपनी किशोरावस्था में अपने निचले होंठ को छिदवाती हैं। फिर उसमें धीरे-धीरे मिट्टी या लकड़ी की बनी हुई प्लेटें डाली जाती हैं। समय के साथ होंठ खिंचकर बड़े हो जाते हैं, और उनमें और बड़ी प्लेटें डाली जाती हैं।

मुर्सी समाज में इस परंपरा को सुंदरता और समाज में का प्रतीक माना जाता है। जिस महिला के होंठ में जितनी बड़ी प्लेट होती है, उसे उतना ही खूबसूरत और सम्मानित समझा जाता है। यह उनकी संस्कृति का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। इस प्रथा का सबसे हैरान करने वाला पहलू विवाह में मिलने वाले दहेज से इसका सीधा संबंध है। विवाह के समय, लड़की के होंठ में लगी प्लेट का आकार देखकर ही दहेज की मात्रा तय की जाती है। मुर्सी समाज में यह एक आम बात है कि जिस महिला के होंठ में जितनी बड़ी प्लेट होती है, उसके परिवार को विवाह में उतना ही ज्यादा दहेज मिलता है। यह दहेज आमतौर पर मवेशियों के रूप में होता है। यह प्रथा केवल सुंदरता या दहेज तक सीमित नहीं है, बल्कि यह मुर्सी जनजाति की पहचान का एक मजबूत हिस्सा है। यह उनकी सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक संरचना से गहराई से जुड़ी हुई है, और उनकी विशेष पहचान को बनाती है। आज की आधुनिक दुनिया में भी मुर्सी जनजाति अपनी इस अनोखी परंपरा को काफी हद तक बचाए हुए है। यह उनके अपने नियमों और जीवन जीने के तरीके को दिखाता है, जहां सदियों पुरानी प्रथाएं आज भी निभाई जाती हैं।

25 घंटे की पूछताछ, बयानों में विरोधाभास

लंबी पूछताछ के बाद सोनम और राज के बयान अलग-अलग

» किसी अन्य थ्योरी पर चल रही है सोनम, कई बार बदल चुकी है बयान

» आरोपियों को चौथी बार में मिली सफलता

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

आरोपियों ने जुर्म कबूला

कोर्ट में पेशी से पहले सोनम ने अपने पति राजा रघुवंशी की मौत में अपनी भूमिका को स्वीकार कर लिया था। मेघालय पुलिस ने जब उसके प्रेमी राज कुशवाहा से उसका आमना-सामना कराकर उससे पूछताछ की तो उसने अपना जुर्म कबूल कर लिया।

एसआईटी ने तीन अलग-अलग टीमें की गठित

एसआईटी ने पूछताछ के लिए तीन टीमें गठित की हैं, जो अलग-अलग आरोपियों से विभिन्न एंगल से पूछताछ कर रही हैं। जांच में उन सबूतों और डिजिटल डाटा को भी आधार बनाया जा रहा है जो जांच के क्रम में मध्य प्रदेश से जब्त किए गए हैं। पूछताछ में मुख्य आरोपी सोनम से उसकी शादी और शादी से पहले के संबंधों को लेकर गहनता से सवाल-जवाब हुए। सूत्रों के मुताबिक सोनम और राज के बयानों में कई बिंदुओं पर विरोधाभास सामने आया है। वारदात के दिन सोनम ने कौन से कपड़े पहने थे। क्या उसने बुरखा पहना था या नहीं। इन सभी बातों को लेकर एसआईटी ने सवाल किए। इसके अलावा सोनम और अन्य आरोपियों के बैंक खातों में पैसों के लेनदेन को लेकर भी पूछताछ की जा रही है।

बेवफा सोनम फॉलोअप

मेघालय। राजा रघुवंशी हत्याकांड मामले में जांच कर रही एसआईटी ने आरोपियों से 25 घंटे की मैराथन पूछताछ की। पूछताछ में सभी आरोपियों से अलग-अलग सवाल पूछे गये ताकि सटीक जानकारी मिल सके। बताया जा रहा है कि सोनम और राज के बयानों में विरोधाभास भी रहा है। 2 जून को सोनम के पति राजा रघुवंशी का शव मेघालय के पूर्वी खासी हिल्स जिले के सोहरा के रियात अर्लियांग में वेई सवाडोंग पार्किंग स्थल के नीचे एक गहरी खाई से बरामद किया गया था।

पति का शव मिलने के कुछ दिनों के बाद सोनम ने 7 जून को उत्तर प्रदेश के गाजीपुर में पुलिस ने पकड़ा था। पुलिस के अनुसार, पहला प्रयास गुवाहाटी में किया गया लेकिन ये लोग सफल नहीं हो पाए। शिलॉन्ग और ईस्ट खासी हिल्स के माव्लाखियात गांव के पास भी दो बार कोशिश की गई लेकिन यहां भी वे नाकाम रहे। आखिरकार 23 मई को दोपहर 2 बजे से 2.18 बजे के बीच पत्नी सोनम सहित आरोपियों ने वेई सावडोंग झरने के पास राजा को मार डाला। राजा रघुवंशी मर्डर केस मामले में कई सनसनी खेज खुलासे हो रहे हैं। इस बार एक बड़ा खुलासा हुआ है कि आरोपियों का पहले प्लान ये था कि राजा को गुवाहाटी में ही मार दिया जाए। लेकिन वह ऐसा करने से चूक गये। आरोपियों को राजा रघुवंशी को मारने में चार प्रयास करने पड़े। राजा की मौत चौथे प्रयास में हुई। पुलिस ने खुलासा किया है कि सोनम रघुवंशी सहित बाकी आरोपियों ने पहले तीन स्थानों पर राजा को मारने की कोशिश की लेकिन किसी न किसी कारण से अपराध को अंजाम नहीं दे पाए राजा रघुवंशी को वास्तव में चौथे प्रयास में मारा गया।

रंग लाई सीबीआई की मेहनत, भारत पहुंचा इंटरनेशल तस्कर डोला

» पुलिस ने नकली ड्रग मेफेड्रोन की थी जब्त

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

मुंबई। सीबीआई ने राष्ट्रीय जांच ब्यूरो, अबू धाबी और इंटरपोल के साथ मिलकर एक अंतरराष्ट्रीय ड्रग मामले में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। इस ऑपरेशन के तहत ड्रग तस्करी के एक बड़े मामले के मुख्य आरोपी ताहिर सलीम डोला को सफलतापूर्वक भारत वापस लाया गया। डोला को दुबई से से फ्लाइट संख्या एआई–984 के जरिए मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर लाया गया। मुंबई पुलिस ने कुर्ला पुलिस स्टेशन में दर्ज एफआईआर 67/2024 के तहत ताहिर सलीम डोला को वांछित घोषित किया था। डोला पर महाराष्ट्र के सांगली में ड्रग फैक्ट्री चलाने का आरोप है।

पुलिस ने डोला और उसके साथियों के ठिकानों से 126.141 किलोग्राम प्रतिबंधित नकली ड्रग मेफेड्रोन जब्त की। जांच में पता चला कि ताहिर सलीम डोला विदेश से इस अवैध ड्रग कारोबार को चला रहा था। मुंबई पुलिस के अनुरोध पर सीबीआई को 25 नवंबर, 2024 को इंटरपोल द्वारा जारी एक रेड नोटिस प्राप्त हुआ। सीबीआई ने इंटरपोल की अंतर्राष्ट्रीय पुलिस सहयोग इकाई के साथ मिलकर डोला को यूएई में खोजा जहां उसे 27 जनवरी को गिरफ्तार किया गया। गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय ने यूएई अधिकारियों को प्रत्यर्पण अनुरोध भेजा गया था। कानूनी प्रक्रियाओं और कूटनीतिक प्रयासों के बाद, डोला को आज भारत वापस भेज दिया गया। इंटरपोल रेड नोटिस अभियोजन या सजा के लिए वांछित भगोड़ों का पता लगाने और उन्हें हिरासत में लेने के लिए एक वैश्विक अलर्ट के रूप में कार्य करता है।

नगर निगम में तबादलों की जुगाड़ लिस्ट, सरकार की साख दांव पर!

» पुराने नाम, नई कोशिश

» नीति पर टिकेगी सरकार की साख

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लखनऊ। लखनऊ नगर निगम एक बार फिर सुर्खियों में है। मुद्दा वही पुराना है। तबादलों में नियम चलेगा या जुगाड़ सिस्टम फिर से हावी होगा? निदेशालय एक नई ट्रांसफर लिस्ट तैयार कर रहा है जो रविवार तक सार्वजनिक हो सकती है, लेकिन इसके पहले ही इस प्रक्रिया को लेकर सवाल और आरोपों की बौछार शुरू हो चुकी है। इस पूरे विवाद के केंद्र में हैं ओएस दिनेश वर्मा, जो 1999 से 2023 तक पूरे 25 साल लखनऊ में तैनात रहे।

अब चर्चा है कि उन्हें एक बार फिर राजधानी लौटाया जा रहा है, जबकि प्रदेश सरकार की स्पष्ट ट्रांसफर नीति कहती है कि किसी भी अधिकारी को एक ही स्थान पर तीन साल से अधिक तैनात नहीं किया जा सकता। अब सबकी निगाहें सरकार और नगर विकास निदेशालय पर हैं। क्या वाकई इस बार नियमों की पालना होगी? या एक बार फिर जुगाड़ सिस्टम अपनी जड़ें मजबूत करेगा? विभागीय मंत्री पहले ही कह चुके हैं कि किसी भी कीमत पर भ्रष्टाचार और नियम उल्लंघन नहीं सहा जाएगा।

बाघ के साथ सेल्फी मतलब मौत को दावत

» रणथंभौर में बाघ के साथ सेल्फी ले रहे लोगों पर हमला दो घायल

» एक माह में तीसरी वारदार

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

जयपुर। राजस्थान के रणथंभौर राष्ट्रीय उद्यान के फलौदी रेंज में एक बाघ ने हमला कर दो लोगों को घायल कर दिया। यह घटना उस समय हुई जब कैलाशपुरी तालाब के एनीकट के पास पानी पी रहे बाघ को देखने और उसके साथ सेल्फी लेने के लिए भीड़ जमा हो गई थी। पीड़ितों में कृषि विभाग का एक अधिकारी और होमगार्ड का एक जवान शामिल है। सवाई माधोपुर शहर के निवासी वरिष्ठ कृषि पर्यवेक्षक सीताराम सैनी डुमोडा गांव में एक खेत की बाड़ का निरीक्षण करके लौट रहे थे, तभी उन्होंने एनीकट के पास भीड़ देखी।

वह भी बाघ को देखने के लिए रुके, लेकिन अचानक हुए घटनाक्रम में बाघ ने उन पर हमला कर दिया, जिससे वह घायल हो गए। प्रत्यक्षदर्शियों का दावा है कि घटना की सुबह भी एक व्यक्ति बाघ के साथ सेल्फी लेता हुआ दिखाई दिया। फलोदी एसीएफ योगेश कुमार ने बताया कि घटना में शामिल बाघ की सही पहचान की अभी जांच की जा रही है। हालांकि, बाघिन टी-8 और टी-108 के इस क्षेत्र में अक्सर आने-जाने के बारे में पता है और संभावना है कि उनमें से एक मानवीय हस्तक्षेप के कारण आक्रामक हो गई हो। वन अधिकारियों ने एक बार फिर स्थानीय लोगों और पर्यटकों से वन्यजीवों से सुरक्षित दूरी बनाए रखने और रिजर्व के अंदर सभी सुरक्षा प्रोटोकॉल का पालन करने का आग्रह किया है। यह घटना पिछले दो महीने के अंदर क्षेत्र में बाघ के तीसरे घातक हमले के कुछ दिन बाद हुई है। सोमवार सुबह ऐतिहासिक रणथंभौर किले के अंदर एक बाघ ने 60 वर्षीय पुजारी पर हमला कर उन्हें मार डाला था।

होमगार्ड के जवान ने बचाया

भीड़ में शामिल होमगार्ड के जवान बाबूलाल ने उन्हें बचाने का प्रयास किया। हालांकि, आक्रामक बाघ ने बाबूलाल पर भी हमला कर दिया और अपने पंजे से उनके चेहरे पर वार कर दिया। वन विभाग की टीम के मौके पर पहुंचने के बाद दोनों घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया। गौरतलब है कि पिछले कुछ महीनों से कैलाशपुरी एनीकट में बाघ की आवाजाही लगातार देखी जा रही है। बार-बार देखे जाने और स्थानीय लोगों द्वारा खतरनाक तरीके से जानवर के करीब सेल्फी और वीडियो लेने के मामलों के बावजूद वन विभाग द्वारा कोई निवारक कार्रवाई नहीं की गई।

इतिहास रचने से 69 रन दूर अफ्रीका

» मार्करम-बावुमा की 143 रन की साझेदारी से साउथ अफ्रीका मजबूत

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

लंदन। एडेन मार्करम के शतक और टेम्बा बावुमा के अर्धशतक के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीसरे दिन दो विकेट खोकर 213 रन बना लिए हैं। गत विजेता ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को 282 रनों का लक्ष्य दिया है। फिलहाल मार्करम 102 और बावुमा 65 रन बनाकर क्रीज पर मौजूद हैं। अब टीम को जीत के लिए और इतिहास रचने के लिए सिर्फ 69 रनों की जरूरत है। तीसरे दिन ऑस्ट्रेलिया ने दूसरी पारी की शुरुआत 145/8 के स्कोर से की थी। उस वक्त उनकी कुल बढ़त 219 रन थी।

मिचेल स्टार्क की नाबाद अर्धशतकीय पारी और एलेक्स कैरी के 43 रनों के दम पर ऑस्ट्रेलिया ने 10 विकेट खोकर 207 रन बनाए।

जवाब में दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत झटके के साथ हुई। रेयान रिकेल्टन सिर्फ छह रन बना पाए। उन्हें मिचेल स्टार्क ने अपना शिकार बनाया। वहीं, वियान मुल्डर सिर्फ 27 रन बना पाए। उन्हें भी स्टार्क ने पवेलियन भेजा। 70 के स्कोर पर दो विकेट खो चुकी प्रोटियाज टीम को एक बड़ी साझेदारी की जरूरत थी। एडेन मार्करम ने टेम्बा बावुमा के साथ 143* रन की निभाई और स्कोर 200 के पार पहुंचा दिया। स्टार्क ने बेहतरीन बल्लेबाजी करते हुए पहले एलेक्स कैरी के साथ आठवें विकेट के लिए 61 रन की, फिर लियोन के साथ नौवें विकेट के लिए 14 रन की और फिर हेजलवुड के साथ आखिरी विकेट के लिए 135 गेंद में 59 रन की साझेदारी निभाई। हेजलवुड 17 रन बनाकर आउट हुए।

पहले भी निर्णायक मैच में छूट चुका है अहम कैच

लंदन। डब्ल्यूटीसी के फाइनल मुकाबले में एक गजब संयोग देखने को मिला। इस खिताबी मुकाबले के तीसरे दिन स्टीव स्मिथ से टेंबा बावुमा का अहम कैच छूट गया। स्मिथ से न सिर्फ कैच छूटा, बल्कि वह अपने दाएं हाथ की उंगली चोटिल भी करवा बैठे और उन्हें मैदान छोड़ना पड़ गया। इस जीवनदान का फायदा उठाते हुए दक्षिण अफ्रीकी कप्तान टेंबा बावुमा ने अर्धशतक जड़ दिया। संयोग की बात है कि इससे ठीक 26 साल पहले 13 जून 1999 को भी दोनों देशों के बीच अहम मुकाबले में कुछ ऐसा ही देखने को मिला था। यह वनडे विश्व कप का मुकाबला था। अफ्रीका के 271 रन के दबाव में आस्ट्रेलिया ने 48 के स्कोर पर ही अपने तीन विकेट गंवा दिए थे। जिसके बाद स्टीव वॉ ने रिकी पोंटिंग के साथ मिलकर टीम को संभालने की कोशिश की। इसी बीच हर्शल गिब्स ने कप्तान स्टीव वॉ का एक कैच टपका दिया। इस जीवनदान का फायदा उठाते हुए स्टीव वॉ ने शतक जड़ा। वॉ ने नाबाद 120 रन की पारी खेली और ऑस्ट्रेलिया ने मैच पांच विकेट से अपने नाम कर लिया।

भावुक अपील: एक दिन और ले लीजिए हमें अंग पूरे दीजिए!

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

अहमदाबाद। अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना में मारे गए घर के सदस्यों के अवशेषों के लिए गुजरात का एक परिवार सरकार से गुहार लगा रहा है। दर्दनाक हादसे में गुजरात के खेड़ा जिले के 17 से अधिक परिवारों ने अपने प्रियजन खोए, जिनमें नडियाद के पवार परिवार के मुखिया महादेव तुकाराम पवार और उनकी पत्नी आशाबेन पवार भी शामिल हैं।

ये दंपति ब्रिटेन में रहने वाले अपने बेटे से मिलने पहली बार विदेश यात्रा पर रवाना हुआ था। ये उनकी पहली हवाई यात्रा थी जो दुर्भाग्यवश आखिरी साबित हुई।

बेटे रमेश का कहना है, प्लेन में मेरे माता-पिता थे। जब वो दोनों एयरपोर्ट पर गए थे, तब वीडियो कॉल पर बात हुई थी। उन्होंने बताया था कि हमें सीट मिल गई है। सही जगह पर बैठे हैं। आखिर में जय भारत बोलकर उन्होंने फोन रख दिया। रमेश ने बताया कि वो 10 साल से मंदिर में सेवा करने जाते थे।

अहमदाबाद विमान हादसा

विमान हादसे में अपने चाचा-चाची को खोने वाले महेश भावुक हो बोले, वो खुद दोनों को एयरपोर्ट पर छोड़कर आए थे और दोपहर में घर लौट आए। कुछ समय बाद हादसे की खबर मिली तो तुरंत चाचा-चाची से संपर्क करने की कोशिश की। फोन तो बजा, लेकिन किसी ने उठाया नहीं। तब हम सभी चिंता में पड़ गए और अहमदाबाद की ओर रवाना हो गए। उन्होंने बताया, परिवार के लोग सबसे पहले एयरपोर्ट पहुंचे, जहां से उन्हें जानकारी मिली कि सभी यात्रियों को असरवा अस्पताल भेजा गया है। अस्पताल में भीड़ और अफरातफरी का माहौल था। फिर भी रात में डीएनए सैंपल लिया गया, लेकिन स्थिति बहुत असमंजस भरी थी।

खुद छोड़कर आये थे एयरपोर्ट

भावनाएं समझो सरकार

सरकार से अपील करते हुए महेश ने कहा कि भावनाएं समझिए, व्यवस्था बनाई जाए। उन्होंने कहा, आप 72 घंटे से एक दिन अधिक समय लीजिए, लेकिन हमें हमारे प्रियजनों के शरीर के अंग संगठित और सम्मानजनक तरीके से सौंप दीजिए। ये सिर्फ मेरी नहीं, हम सभी की मांग है। हमारी भावनाएं हमारे परिजनों से जुड़ी हैं।

चेन्नई में ढह गया मेट्रो रेल ट्रैक, बाइक सवार की मौत

» दो गर्डर अप्रत्याशित रूप से गिर गए

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

चेन्नई । चेन्नई के मनापक्कम में लार्सन एंड टूब्रो मुख्यालय के पास रात एक दुखद घटना घटी जहां निर्माणाधीन मेट्रो रेल ट्रैक का एक हिस्सा ढह गया जिसके परिणामस्वरूप नागरकोइल निवासी 43 वर्षीय मोटरसाइकिल चालक रमेश की मौत हो गई। निर्माण संबंधी खामियों के कारण चेन्नई के मनपक्कम में गर्डरों के टूटने की घटना हुई। चेन्नई मेट्रो रेल लिमिटेड ने कहा है कि दो गर्डर अप्रत्याशित रूप से गिर गए और इसके कारण का पता लगाने के लिए जांच की जाएगी।

पुलिस और बचाव कर्मियों ने बीम मलबे तले दबे रमेश के शव को बड़ी मशक्कत से निकाला और पोस्टमार्टम के लिए क्रोमपेट सरकारी अस्पताल ले गए। चेन्नई मेट्रो रेल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा मनपक्कम में दो आई-गर्डर गिरने से हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद, जिसके परिणामस्वरूप नागरकोइल के रमेश (आयु 43) की मृत्यु हो गई, चेन्नई मेट्रो रेल लिमिटेड (सीएमआरएल) ने शोक संतप्त परिवार को 5 लाख रुपये का तत्काल अनुग्रह मुआवजा प्रदान किया है। इसके अलावा, ठेकेदार, लार्सन एंड टुब्रो (एलएंडटी) ने परिवार को 20 लाख का मुआवजा दिया है। घटना की जांच के लिए एक जांच समिति गठित की गई है।

रात में हुआ हादसा

रात करीब 9.45 बजे जब नागरकोइल निवासी 43 वर्षीय रमेश मनपक्कम से गुजर रहे थे, तो निर्माणाधीन फ्लाईओवर के गर्डर उनके ऊपर गिर गए। इस स्थान पर, कई सालों से डबल-डेकर कॉरिडोर का निर्माण चल रहा है। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि यह एक बहुत ही भयानक दुर्घटना थी, क्योंकि भारी कंक्रीट की बीम, जिसका वजन 50 से 100 टन के बीच था, उखड़कर व्यस्त पूनमल्ली-सेंट थॉमस माउंट रोड पर जा गिरी, जिससे अफरातफरी मच गई और कई घंटों तक ट्रैफिक जाम लगा रहा।

डीपीएस स्कूल के खिलाफ जंतर-मंतर पर बड़ा आंदोलन

» प्रदर्शनकारी सरकार से डीपीएस को टेकओवर करने की कर रहे हैं मांग

» भारी गर्मी में डटे हैं प्रदर्शनकारी

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। दिल्ली के प्रतिष्ठित स्कूल डीपीएस द्वारका से 31 बच्चों के नाम काटने का विवाद खत्म नहीं हो रहा है। बच्चों के नाम वापस नहीं लिए जाने पर अभिभावक विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। आज सैकड़ों की संख्या में अभिभावकों ने जंतर मंतर पर प्रदर्शन किया और स्कूल प्रशासन के रवैये की कड़ी निंदा की।

हाईकोर्ट के स्पष्ट आदेश के बावजूद डीपीएस द्वारका स्कूल ने अब तक उन 31 छात्रों के नाम बहाल नहीं किए हैं, जिन्हें मनमानी फीस न भरने पर निष्कासित कर दिया गया था। जंतर मंतर पर जुटे अभिभावकों ने पोस्टर और बैनरों के जरिए स्कूल प्रशासन और शिक्षा विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। अभिभावकों का आरोप है कि हाईकोर्ट ने छात्रों के निष्कासन को रद्द कर उन्हें फिर से स्कूल में शामिल करने का आदेश दिया था, लेकिन डीपीएस द्वारका ने अब तक छात्रों को न तो क्लास में दाखिल होने दिया, न ही होमवर्क दिया और न ही शैक्षणिक गतिविधियों में शामिल किया।

एक अभिभावक सोमेंद्र यादव ने कहा कि मेरे बच्चे इस स्कूल में पढ़ते हैं। डीपीएस द्वारका स्कूल में बच्चों का शोषण हो रहा है, उसके खिलाफ हम लोग प्रदर्शन करने आए हैं। डीपीएस द्वारका हाईकोर्ट और सरकार के किसी ऑर्डर को नहीं मान रहा है। सरकार की ओर से 15 आदेश आए, कोई पालन अभी तक नहीं किया। हमारी मांग है कि डीपीएस द्वारका स्कूल को सरकार अपने हाथों में ले।

शिक्षा मंत्री से मिल चुके हैं प्रदर्शनकारी

हम शिक्षा मंत्री से मिल चुके हैं। अपनी मांग रख चुके हैं। शिक्षा मंत्री ने जिलाधिकारी के नेतृत्व में एक कमेटी बनाई थी। जांच में स्कूल की लाइब्रेरी में बच्चों को पकड़कर रखने की घटना सामने आई। वाइस-चांसलर की अध्यक्षता में भी एक कमेटी बनी थी, जिसने स्कूल प्रशासन को गलत ठहराया था। इसके बावजूद जमीनी स्तर पर हमें कोई राहत नहीं मिली है। बच्चों का उत्पीड़न लगातार जारी है।

गलत तरीके से काटा गया नाम

उत्तम नगर की रहने वाली ज्योति का बेटा भी उन बच्चों में शामिल है, जिसका स्कूल प्रशासन ने नाम काटा था। ज्योति का कहना है कि उनका बेटा इस स्कूल में पढ़ता है। कुछ दिन पहले स्कूल से एक ईमेल आया था, जिसमें बच्चे का नाम काटने का जिक्र था। हाईकोर्ट का ऑर्डर आ चुका है कि बच्चों के नाम वापस लिए जाएं, लेकिन स्कूल प्रशासन ने अभी तक बच्चों का नाम वापस नहीं लिया है। उन्होंने कहा कि बच्चों का मानसिक उत्पीड़न हो रहा है। हमारी यही मांग है कि डीपीएस द्वारका स्कूल को टेकओवर हो और सरकार इसे अपने हाथों में ले।

पांच नक्सली गिरफ्तार, विदेशी असलहा बरामद

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

राची। झारखंड के हजारीबाग जिले की पुलिस ने प्रतिबंधित संगठन तृतीय सम्मेलन प्रस्तुति कमेटी, टीएसपीसी के मोस्ट वांटेड एरिया कमांडर प्रशांत उर्फ अवधेश सिंह समेत पांच नक्सलियों को गिरफ्तार किया है। इनके पास से अमेरिका निर्मित एआर 15एम-4 अमेरिकन राइफल सहित कई हथियार बरामद किए गए हैं।

पुलिस के अनुसार इन्हीं नक्सलियों ने हाल में केरेडारी थाना क्षेत्र में एक खनन कंपनी की साइट पर हमला कर कई वाहनों में आग लगा दी थी। इनके खिलाफ जिले के कई थाना क्षेत्रों में हत्या फायरिंग, रंगदारी वसूली, अपहरण और फिरौती वसूली के मामले भी दर्ज हैं।

घाटगोसाई में छापेमारी

हजारीबाग के एसपी अंजनी अंजन ने बताया कि सदर एसडीपीओ को 12 जून की रात सूचना मिली थी कि टीएसपीसी के 7-8 उग्रवादी किसी बड़ी घटना को अंजाम देने की फिराक में हैं। सूचना मिलते ही कार्रवाई के लिए एक विशेष पुलिस टीम गठित की गई. इसने तकनीकी शाखा के सहयोग से सशस्त्र बलों के साथ केरेडारी के तरहेसा जंगल स्थित घाटगोसाई में छापेमारी की।

आग लगा दी थी

एसपी ने बताया कि बीते 1 जून को केरेडारी थाना क्षेत्र अंतर्गत बीजीआर माइनिंग कंपनी के दो वाहनों में आग लगाने में गिरफ्तार नक्सलियों की संलिप्तता सामने आई है। पुलिस ने इस कार्रवाई में बड़कागांव अनुमंडल क्षेत्र में संभावित बड़ी नक्सली घटना को समय रहते विफल कर दिया है। इन सभी गिरफ्तार आरोपियों को न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है।

अमेरिकन रायफल बरामद

इस दौरान अवधेश कुमार उर्फ प्रशांत के अलावा आदित्य गंझू, देवेन गंझू, धरम गंझू और रूपलाल गंझू को गिरफ्तार किया गया। इनके पास अमेरिका निर्मित एक राइफल के अलावा एक पिस्टल (7.62 मिमी), तीन देसी कट्टा, 28 जिंदा कारतूस, नौ मोबाइल, टीएसपीसी के दस पर्चे, एक पिट्ठू बैग और एक मैगजीन पाउच बरामद किए गए हैं। पुलिस इस बात की जांच कर रही है कि इन उग्रवादियों को विदेशी हथियार की सप्लाई किसने की। जरूरत पड़ने पर गिरफ्तार नक्सली सरगना को रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा सकती है।

तारीख तय, 19 जून को अंतरिक्ष जायेंगे शुभांशु शुक्ला

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन ने AX-04 मिशन को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया था। हालांकि अब इस मिशन को लेकर अच्छी खबर सामने आई है।

इसरो ने AC-04 मिशन के तहत भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला को अंतरिक्ष में भेजने की तैयारी कर ली है। शुभांशु शुक्ला 19 जून 2025 को अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन के लिए रवाना होंगे। A&-04 मिशन को नासा के केनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च किया जाएगा। यह मिशन SpaceX, ISRO और AAiom Space का संयुक्त मिशन है। मिशन लॉन्च होने के साथ ही शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष में जाने वाले चुनिंदा भारतीयों की फेहरिस्त में शामिल हो जाएंगे।

रक्तदान दिवस आज, गर्व से करें रक्तदान, बचाएं जान

» कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे समेत दूसरे नेताओं ने की भारतीयों से रक्तदान करने की अपील

4पीएम न्यूज़ नेटवर्क

नई दिल्ली। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा सहित कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने विश्व रक्तदाता दिवस पर अपील की है कि रक्तदान जरूर करें।

विश्व रक्तदाता दिवस हर साल 14 जून को मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने के पीछे एकमात्र उद्देश्य यह है कि लोगों में रक्तदान के प्रति जागरूकता फैल सके और ज्यादा से ज्यादा लोग रक्तदान के महत्व को समझते हुए रक्तदान करें। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। उन्होंने लिखा, एक बार रक्तदान करके किसी के जीवन को बदल सकते हैं। इस विश्व रक्तदाता दिवस पर, हम उन असाधारण व्यक्तियों के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करते हैं जो रक्त और प्लाज्मा दान करते हैं, जीवन बचाते हैं और प्राप्तकर्ताओं और खुद दोनों पर गहरा प्रभाव डालते हैं। हम उनके निस्वार्थ योगदान को पहचानते हैं और उसका सम्मान करते हैं। कांग्रेस पार्टी के अग्रणी संगठन और स्वयंसेवक गर्व से रक्तदान की लंबी परंपरा को कायम रखते हैं।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने भी लिखा, विश्व रक्तदाता दिवस हमें रक्तदान के महत्व के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए एक साथ लाता है।

स्वामी 4 पीएम न्यूज़ नेटवर्क्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक संजय शर्मा द्वारा आस्था प्रिंटर्स, 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से मुद्रित एवं 5/600, विकास खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010 (यूपी) से प्रकाशित। महाराष्ट्र कार्यालय:- 2 जी, कृष्णा कुटीर सागरिका CHS जुहू तारा रोड जुहू- मुंबई- 400049। संपादक - संजय शर्मा, विधि सलाहकार: सत्यप्रकाश श्रीवास्तव, मोहम्मद हैदर, वित्तीय सलाहकार: संदीप बंसल, कार्टूनिस्ट: हसन जैदी, दूरभाष: 0522- 4078371 | Email: daily4pm@gmail.com | website: www.4pm.co.in | RNI-UPHIN/2015/62233 डाक पंजी. सं- SSP/LW/NP-495/2018-2020 *इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद लखनऊ न्यायालय के अधीन ही होंगे।